प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

मनुष्य के लिए कठिनाईयों का होना बहुत जरूरी है क्योंकि कठिनाईयों के बिना सफलता का आनंद नहीं लिया जा सकता।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

वर्ष-03, अंक - 32 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 13 मई 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

मोदी-शाह की जोड़ी अजेय नहीं

चुनाव आज भी लोकप्रियता से जीते जाते हैं मैनेजमेंट से नहीं

माही की गूंज झाबुआ, संजय भटेवरा

वैश्विक महामारी कोरोना की पहली लहर का सफलतापूर्वक सामना करने पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता चरम पर पहुंच चुकी थी। मोदी की हर बात को देशवासियों ने सर आंखों पर लिया, चाहे वह जनता कर्फ्यु हो, थाली-ताली हो या दीपक जलाना मोदी की हर बात देशवासियों के लिए नई ऊर्जा का संचार कर देती थी।

पहली लहर के बाद ही वैक्सीन आ जाने के बाद मोदी की वैक्सीन पॉलिसी ने मोदी को वैश्विक नेता बना दिया और वैक्सीन दूसरे देशों में दी जाने लगी, लेकिन इसी बीच कोरोना की दूसरी लहर ने सारे करें कराए पर पानी फेर दिया। चुनावी रैलियां और कुंभ का आयोजन सरकार के लिए आत्मघाती कदम साबित हो गया या फिर यूं कहें कि सरकार का अति आत्मविश्वास देश की जनता के लिए घातक साबित हुआ। दूसरी लहर देश के ग्रामीण अंचलों तक पहुंच गई और जिस वैक्सीन को भारत अन्य देशों को गिफ्ट कर रहा था उसी की देश में कमी हो गई। हालत यहां तक पहुंच गए की देश का युवा वर्ग अस्पताल में वैक्सीन लगाने के लिए लाइन में खड़ा है और उन्हें वैक्सीन नहीं मिल पा रही है। ऐसे में मोदी की वैक्सीन पॉलिसी उन्हीं के गले का हार बन चुकी है, दूसरी लहर कहर बरपा रही है और सरकार की हर व्यवस्था नाकाफी साबित हो रही है।

चुनाव व कुंभ का निर्णय भारी पड़ा

निश्चित रूप से सरकार द्वारा कुंभ का आयोजन व चुनाव आयोग द्वारा 5 राज्यों के लंबे चुनावी कार्यक्रम ने कोरोना के संक्रमण को बढ़ावा ही दिया है। मोदी-शाह की जोड़ी ने अपने अति आत्मविश्वास और अति महत्वाकांक्षा के चलते यह मान लिया था कि, देश में कोरोना खत्म हो चुका है और वे कोरोना से ध्यान हटाकर पश्चिम बंगाल को जितने पर ज्यादा जोर लगाने लग गए। लेकिन लंबे चुनावी कार्यक्रम के परिणामों ने स्पष्ट कर दिया कि, भाजपा को ''न माया मिली न राम'' अर्थात पश्चिम बंगाल में वह जो सपना देख रहे थे वह सफल नहीं हो पाया उल्टा देश में कोरोना की सुनामी आ गई।

मैनेजमेंट नहीं लोकप्रियता ही जितने का आधार

पिछले कुछ वर्षों में हुए चुनावों में भाजपा ने मैनेजमेंट से विजय हासिल की तो यह माना जाने लगा कि, चुनावों में मैनेजमेंट ही सब कुछ है। लेकिन बंगाल चुनाव ने यह साबित कर दिया कि, लोकप्रियता के आगे आज भी मैनेजमेंट पीछे ही है, पूरी केंद्र सरकार पिछले कई दिनों से पश्चिम बंगाल में लगातार प्रयासरत थी कि किस प्रकार बंगाल में ममता दीदी को हराया जाए और इसके लिए साम-दाम-दंड-भेद आदि सब प्रयोग किए गए, लेकिन ममता दीदी ने साबित कर दिया कि, लोकप्रियता में वे आज भी आगे ही हैं। कुछ इस प्रकार का मैनेजमेंट भाजपा ने म.प्र. के दमोह उपचुनाव में भी किया पूरी सरकार को एक उपचुनाव के लिए लगा दिया गया, लेकिन नतीजों ने साबित कर दिया कि ÷पब्लिक इस ऑलवेज राइट÷ चुनाव को केवल चुनाव की तरह ही लड़ा जाना चाहिए न कि उसे प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाना चाहिए। भाजपा प्रत्येक चुनाव को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लेती है, जिससे छोटे से छोटा चुनाव भी हाई प्रोफाइल बन जाता है। दमोह का उपचुनाव वर्तमान परीक्षेप में आवश्यक नहीं था, न ही उसका परिणाम सरकार की सेहत पर कोई प्रभाव डाल पाया है बावजूद इसके सरकार ने न केवल विधायक से इस्तीफा दिलवाया वरन् जनता को अनावश्यक चुनाव में धकेला और जनता ने भी अपने जनादेश में यह साबित कर दिया कि इस उपचुनाव की कोई आवश्यकता नहीं थी उन्होंने कांग्रेस का विधायक बरकरार रखा।

वैसे देखा जाए तो विशेष परिस्थितियों में होने वाले उपचुनाव को केवल स्थानीय स्तर पर ही लड़ा जाना चाहिए इसके लिए पूरी सरकार को लगाने की आवश्यकता नहीं होना चाहिए।

कोरोना से लड़ाई, कोरोना से ही सीख लेकर संभव

भारतीय संविधान में सरकार से जो अपेक्षा की गई थी, कुछ ऐसा ही व्यवहार कोरोना कर रहा है, मसलन जात-पात, ऊंच-नीच, अमीर-गरीब सबको समान दृष्टि से संक्रमित कर रहा है, ऐसे में उसके खिलाफ लड़ाई भी हमें मिलजुलकर लड़ना है। कोरोना की कुदृष्टि से कोई नहीं बच पाया है ऐसे में कोरोना के खिलाफ हमें निर्णायक लड़ाई लड़नी है और यह निर्णायक लड़ाई राजनीति से परे लड़ना है। वर्तमान में हमारी अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है, सरकार को चाहिए कि वे आने वाले कुछ समय में केवल कोरोना से लड़ाई पर ही अपना ध्यान केंद्रित करें। विभिन्न विषयों को परे रखकर केवल कोरोना के खिलाफही लड़ाई जोर-शोर से लड़े और अभी कुछ समय तक सारे चुनावो को स्थगित कर देना चाहिए। आम जनता को भी चाहिए कि, वे कोरोना के खिलाफ लड़ाई में अपना भी योगदान दें, सरकारी गाईडलाइन का ईमानदारी से पालन करें, मास्क पहने, शारीरिक दूरी का पालन करें, हाथों को सेनेटाइज करते रहें और हां जितनी जल्दी हो सके इतनी जल्दी वैक्सीन अवश्य लगवाएं।

''जीतेगा भारत हारेगा कोरोना''

भारत बायोटेक को 2 से 18 आयु वर्ग पर कोरोना वैक्सीन ट्रायल की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना की दूसरी लहर ने देशभर में तबाही मचाई हुई है और इस बीच कोरोना की तीसरी लहर को लेकर अंदेशा जताया जा रहा है कि, ये बच्चों पर प्रभाव डाल सकती है। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने भी केंद्र सरकार से पूछा था कि, इस बारे में क्या प्लान है कि अगर तीसरी लहर आई तो उसे कैसे निपटा जाएगा। अब इन सभी अंदेशों के बीच अच्छी खबर ये है कि, कोरोना वैक्सीन से जुड़ी सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी की भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को 2 से 18 वर्ष के बच्चों के ऊपर ट्रायल करने की सिफारिश को मंजूरी दे दी गई है।

मंगलवार को एक एक्सपर्ट कमेटी ने 2 से 18 आयुवर्ग के लिए भारत बायोटेक की कोवैक्सीन के ट्रायल की सिफारिश की, जिसे मंजूरी मिल गई है। अब दिल्ली एम्स, पटना एम्स, नागपुर के एमआईएमएस अस्पतालों में ये क्लिनिकल ट्रायल होगा। जानकारी के मुताबिक 525 लोगों पर ट्रायल किया जाएगा। भारत बायोटेक को फेज 3 का ट्रायल शुरू करने से पहले फेज 2 ट्रायल का पूरा डाटा उपलब्ध कराना होगा। अभी तक देश में सीरम इंस्टीट्यूट की कोविशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सीन 18 साल से अधिक आयु वाले लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही है। बता दें कि, तीसरी लहर के बच्चों पर असर डालने की चेतावनी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इस लहर का असर बच्चों पर भी हो सकता है और अगर बच्चे बीमार हुए तो मां-बाप क्या करेंगे? सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि, बच्चे अस्पताल में होंगे तो मां-बाप कहां रहेंगे, यह भी अपने आप में बड़ा सवाल है और केंद्र सरकार का इसके बारे में क्या प्लान है? केंद्र सरकार से सुप्रीम कोर्ट ने तीसरी लहर के बारे में इमरजेंसी प्लान पूछा था।

टीके पर तकरार: केंद्र और विपक्ष आमने-सामने, भाजपा बोली-वैक्सीन पर भ्रम फैला रहा विपक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में वैक्सीन की कमी को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी समेत अन्य विपक्षी दलों ने केंद्र पर पर्याप्त वैक्सीन मुहैया नहीं कराने का आरोप लगाया। विपक्ष के आरोपों पर भाजपा नेता संबित पात्रा ने पलटवार किया है। संबित पात्रा ने कहा कि वैक्सीन पर विपक्ष भ्रम फैला रहा है। राहुल गांधी और केजरीवाल वैक्सीन पर झूठ बोल रहे हैं। पात्रा ने कहा कि लाइसेंस प्रक्रिया के तहत सभी देशों को टीका भेजा गया है। 14 फीसदी वैक्सीन यूनाइटेड किंगडम को दिया गया है।

वैक्सीन विदेश भेजने के आरोपों पर संबित पात्रा ने कहा कि अभी तक 6.68 करोड़ वैक्सीन की डोज़ अन्य देशों को भेजी गई हैं, इनमें से 1.07 करोड़ मदद के तौर पर दी गई हैं। पात्रा ने बताया कि सीमा सुरक्षित करने के लिए सात पड़ोसी देशों को भी 78.5 लाख टीके भेजे गए हैं। इसके अलावा 2 लाख डोज़ यूनाइटेड नेशन भेजे गए।

ब्लैक फंगस के इलाज के लिए प्रोटोकॉल तय करें- सीएम चौहान

भोपाल। मध्य प्रदेश में ब्लैक फंगस के बढ़ते मरीजों की संख्या को देखते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों को इसके इलाज के लिए प्रोटोकॉल तैयार करने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को अधिकारियों के साथ बैठक में शिवराज ने कहा कि, ब्लैक फंगल इंफेक्शन चिंता का विषय है। इसमें नाक, मुंह, दांत, आंख, मस्तिष्क और बाकी अंग भी संक्रमित हो जाते हैं। अभी तक प्रदेश में 50 रोगियों की की पुष्टि हो चुकी है। उन्होंने कहा है कि मरीजों को प्रोटोकॉल के अनुसार इलाज मिले, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।सीएम ने यह भी कहा कि ब्लैक फंगल इंफेक्शन होने पर शुरुआत में ही ध्यान देने की जरूरत होती है। इसका इलाज महंगा होता है। इसलिए सरकार भी मरीजों का सहयोग करेगी। जो आर्थिक दृष्टि से कमजोर हैं, उनके निःशुल्क इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने का पूरा प्रयास किया जाएगा।

लॉटरी का झांसा देकर युवक से ऑनलाउन ठगे तीन लाख, केस दर्ज

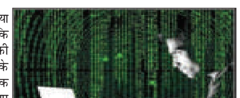

भोपाल। लॉटरी का झांसा देकर एक व्यक्ति से बडी ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित अरमान अली की शिकायत पर श्यामला हिल्स थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफधोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस से की शिकायत के अनुसार आरोपी ने फोन कर उसे 25 लाख रुपये की लॉटरी खुलने का लालच दिया था। लॉटरी का चेक देने से पहले उसने सिक्योरिटी के तौर पर तीन लाख रुपये आनलाइन ट्रांसफर करवा लिए थे।

पुलिस के मुताबिक इस मामले की शिकायत अरमान अली ने साइबर क्राइम में की थी। जिसमें उन्होंने बताया कि, एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें काल किया था, फोन करने वाले ने बताया कि आपका नंबर करोड़पति की लॉटरी में निकला है, जिसके लिए 25 लाख रुपए का चेक जारी करना है, इसके लिए सिक्योरिटी के तौर पर तीन लाख रूपए ऑनलाइन ट्रांसफर करने होंगे। जालसाज की बातों में आकर अरमान अली ने बताए गए अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर दिए। रुपये मिलते ही जालसाज ने दोबारा फोन किया और फिर से 25 हजार रूपए ट्रांसफर करने की बात करने लगा। उन्होंने जब बताया कि, अब उसके पास रुपए नहीं हैं तो वो सात हजार रुपए ट्रांसफर करने की बात कहने लगा।

फोन करने वाले की बातों पर शंका होने पर अरमान अली को विश्वास हो गया कि, किसी ने उसके साथ ठगी की है, इसके बाद पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई।

पाकिस्तान ने फिर अलापा कश्मीर राग, कहा-आर्टिकल 370 पर भारत पलटे अपना फैसला, तब होगी बातचीत

नई दिल्ली, ऐजेंसी। आर्थिक रूप से खस्ताहाल हो चुके पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर राग अलापा है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि, उनका देश भारत के साथ तब तक बातचीत नहीं करेगा जब तक कश्मीर पर अपना निर्णय भारत पलट नहीं देता। इमरान खान ने यह बात आर्टिकल 370 समाप्ति के संदर्भ में कही है। भारत ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले आर्टिकल 370 को समाप्त कर दिया था। केंद्र सरकार ने राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बदल दिया था। अब इमरान खान ने एक बार फिर भारत सरकार को उसके निर्णय की याद दिलाते हुए कहा, जब तक 5 अगस्त को लिया गया निर्णय वापस नहीं लिया जाता तब तक हम भारत के साथ कोई बातचीत नहीं करेंगे।

सी.जी. की तर्ज पर अब म.प्र. में भी शराब की होगी होम डिलीवरी, नई आबकारी नीति में प्रस्ताव

भोपाल। छत्तीसगढ़ की तर्ज पर अब मध्य प्रदेश सरकार भी शराब की होम डिलीवरी पर विचार कर रही है। आबकारी विभाग ने शराब की होम डिलीवरी का प्रस्ताव कैबिनेट में मंजूरी के लिए भेजा है। इसे भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर से शुरू करने की तैयारी है। हालांकि इस प्रस्ताव को सीएम श्री चौहान ने पुनर्विचार के लिए कैबिनेट के पास वापस भेज दिया है।

छत्तीसगढ़ में जब भूपेश बघेल सरकार ने शराब की होम डिलीवरी का फैसला लिया था तो, शिवराज सरकार ने इसकी खूब आलोचना की थी। मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक वर्ष 2020-21 के लिए आबकारी नीति में विदेशी शराब की ऑनलाइन बिक्री का प्रस्ताव बनाया गया है, नई नीति एक अप्रैल से लागू होने वाली थी, लेकिन सरकार ने कोरोना महामारी के चलते मौजूदा ठेकों को दो माह के लिए 5 प्रतिशत लाइसेंस फीस बढ़ाकर जारी रखा है। नीति के तहत शराब की दुकानें बढ़ाने का प्रस्ताव भी था, लेकिन विपक्ष के विरोध के बाद सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा था कि, नई शराब दुकानें नहीं खोली जाएंगी।

क्या-क्या है प्रस्ताव

ऑनलाइन शराब बेचने के लिए विभाग ने खास प्लान तैयार किया है। प्रस्ताव में छत्तीसगढ़ की तरह ही नए सिस्टम को संचालित करने के लिए मोबाइल ऐप बनाने का उल्लेख भी किया गया है, इसी के जरिए दुकान संचालक को ऑर्डर होगा। खरीदने वाले को मतदाता परिचय पत्र, आधार कार्ड आदि पहचान-पत्र के माध्यम से सत्यापन करने के बाद ऐप पर रजिस्टर्ड किया जाएगा। 21 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति का रजिस्ट्रेशन नहीं होगा, ऐप पर उपभोक्ता के निवास स्थान से पास की दुकानों में शराब के स्टॉक और दर की सूची प्रदर्शित होगी।

विभाग का तर्क

नई आबकारी नीति के पीछे आबकारी विभाग का तर्क है कि, इससे न सिर्फखपत में वृद्धि होगी, बल्कि वैध शराब की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। हालांकि इस नीति पर शिवराज कैबिनेट ने कोई विचार नहीं किया है। मंगलवार को हुई बैठक में अगले 10 माह के लिए लाइसेंस फीस 5 प्रतिशत बढ़ाकर ठेका रिन्यू करने का प्रस्ताव भी फिलहाल टाल दिया गया है।

अस्पताल में नहीं था डॉक्टर, बिना इलाज के तोड़ा दम, बाइक पर बांधकर ले गए शव

हकीकत

उमरिया। मध्यप्रदेश के आदिवासी बाहुल्य उमरिया जिले से सिस्टम की हकीकत और मानवता को शर्मसार करने वाली तस्वीर सामने आई है। जिले में एक आदिवासी युवक के पेट में दर्द होने पर उसे मानपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर नहीं मिलने की वजह से मरीज ने तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। उसके बाद परिजनों ने शव को घर लाने के लिए वाहन की तलाश की, लेकिन वाहन भी नहीं मिला। जिसके बाद परिजन शव को बाइक पर रस्सी से बांधकर घर ले गए। यह नजारा जिसने भी देखा वह स्तब्ध रह गया।

यह दिल दहला देने वाली और सरकारी अस्पतालों की दुर्दशा की कहानी बयां करने वाली तस्वीर उमरिया जिले से प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री मीना सिंह के विधानसभा क्षेत्र मुख्यालय मानपुर से आई है।

मंत्री जी के विधानसभा क्षेत्र में किसी ने नहीं दिखाई इंसानियत?

जानकारी के मुताबिक, उमरिया जिले के ग्राम पतौर निवासी सहजन कोल को पेट में अचानक दर्द होने लगा, परिजन इलाज के लिए मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां कोई डॉक्टर नहीं था। नतिजन मरीज ने अस्पताल परिसर में ही तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। वहीं शव को घर ले जाने के लिए पीडित परिजनों ने वाहन की तलाश की, लेकिन मंत्री जी के विधानसभा क्षेत्र में किसी ने इंसानियत नहीं दिखाई।

बताते है कि, मानपुर विधानसभा क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शव वाहन न होने के कारण शव को बाइक से ले जाना पड़ा है।

आपदा में अवसर खोजता शिक्षा विभाग

आदिम जाति कल्याण विकास विभाग ने कोविड सेंटर के नाम पर शुरू की चंदा खोरी, व्यवस्था के नाम पर बिछा दिए होस्टल के पलंग

माही की गूंज, पेटलावद।

इन दिनों कोरोना वायरस से हो रही परेशानी से जूझ रहे आमजन की सेवा के लिए लोगो के लगातार सामज़सेवा के लिए आगे आने की जानकारी मिल रही है, लोग बढ़-चढ़कर एक दूसरे की मदद रहे हैं। लेकिन कई स्थानों पर मदद को अवसर भी बनाया जाने की जानकारी मिल रही है। कोरोना संक्रमण के दूसरे दौर में कई शिक्षक संक्रमण की चपेट में आकर अपनी जान गंवा चुके हैं। ऐसे में विभाग के अधिकारियों में सेवा का भाव जागृत हो गया लेकिन जिस प्रकार से आदिम जाति कल्याण विकास विभाग में चंदा वसूली की शुरुआत हुई उससे जिम्मेदारों की मंशा पर सवाल खड़े होना लाजमी है। विभाग के अधिकारियों ने व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर जिले भर में स्वेच्छा से राशि एकत्रित करने का आह्वान किया और वसूली के लिए जन शिक्षकों को प्रभार दिया गया, जो संकुल में आने वाले शिक्षकों से राशि जमा कर सके।

पेटलावद ऑक्सीजन प्लांट के लिए दिया चंदा वसुली का हवाला

व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से पहले शिक्षकों को बताया गया कि, पेटलावद सिविल हॉस्पिटल में जो ऑक्सीजन मशीन लगी है उसके लिए राशि की आवश्यकता है, जिस पर कुछ शिक्षकों की ओर से सवाल खड़े किए गए क्योकि ऑक्सीजन मशीन के लिए आवश्यकता से अधिक राशि जन सहयोग से जमा हो चुकी थी। मेसेज में शिक्षकों को बताया गया कि, उक्त राशि पेटलावद अनुविभागीय अधिकारी के निर्देशन में ऑक्सीजन मशीन के लिए एकत्रित की जा रही है। जब मामला सामने आया तो आधिकारियो ने पल्ला झाड़ते हुए सफाई पेश करना शुरू कर दी। पेटलावद के बीआरसी रायपुरिया ने बताया कि, कुछ गलतफेहमी के कारण एक-दो जनशिक्षकों ने ऑक्सीजन मशीन की गलत जानकारी डाल दी थी, हम तो यह कलेक्टर साहब के निर्देशन में रेटक्रोस में राशि जमा कराएंगे।

शिक्षकों के लिए बिना सुविधाओं के खोल दिया कोविड सेंटर

एक और विभाग के जिम्मेदार कह रहे थे कि, कोविड-19 को देखते हुए राशि रेडक्रॉस में जमा करवाई जाएगी, लेकिन बाद में विभाग ने शिक्षकों के लिए विकास खण्ड स्तर पर कोविड सेंटर खोल दिया और प्रभारी नियुक्त कर दिए। जहां किसी प्रकार की कोई सुविधा नही है और होस्टल के पलंग बिछाकर इतिश्री कर दी, सेंटर में न तो कोई डॉक्टर है न ही कोई दवाई। सीधे-सीधे शिक्षकों द्वारा दी गई सहयोग राशि को ठिकाने लगाने की तैयारी दिख रही है।

कई शिक्षक तोड़ चुके हैं दम, कई का इलाज जारी

वेसे तो शिक्षको का वेतन इतना होता है कि, वो ज्यादा गम्भीर होने पर शिक्षक वर्ग अपना इलाज करवाने में सक्षम है। कोरोना के इस कहर में जिले सहित विकास खण्ड के कई शिक्षक दम तोड़ चुके हैं तो कई अभी भी विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। विभाग ने उनके व मृतक शिक्षकों के परिवारों के लिए कुछ करने की बजाए विभाग के जिम्मेदारो ने ऐसे कोविड सेंटर शुरू किए, जहाँ खुद शिक्षक भी जाना पसंद नही करें।

लॉकडाउन ही कोरोना संक्रमण से बचने का उपाय

माही की गूंज, काकनवानी।

बाजार में लगातार पुलिस का सर्चिंग अभियान जारी है, जिसके चलते बाजार में शांतिप्रिय वातावरण बना हुआ है। कोरोना कर्फ्यू में टीआई दिनेश भंवर अपनी टीम के साथ कोरोना की लड़ाई में जुटे हुए हैं, सर्चिंग के दौरान बाजार में जो भी बिना मास्क के दिखता है उसे मास्क अवश्य देते हैं और समझाइश भी देते हैं कि, अब घर से बाहर नहीं निकलना है। इसके साथ व्यापारियों को भी समझाइश दी जा रही है कि, वह अपने घर में रहें, सुरक्षित रहें, व्यापार करने से ज्यादा अपना परिवार सुरक्षित रखे। पुलिस ने बाहरी आवागमन पूरी तरह से बाजार में बंद कर रखा है बेवजह जो भी बाजार में घूमता दिखाई देता है तो उसे डांट-फटकार भी लगाई जा रही है, साथ ही चालानी कार्रवाई भी की जा रही है। काकनवानी पलवाड़ क्षेत्र में 15 दिन पूर्व की स्थिति से अभी की स्थिति काफी अच्छी है, मरीजों की संख्या में कमी आई है। जहां निजी चिकित्सालय में भीड़ लग रही होती थी, वहां अब इक्का-दुक्का ही मरीज देखे जा रहे है, क्षेत्र के लिए यह अच्छी खबर है कि, यहां सब कुछ सामान्य होने लगा है। कोरोना कर्फ्यू लगने से पूरे क्षेत्र की स्थिति करीब-करीब सामान्य होते जा रही है, किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना सुनने में नहीं आ रही है।

शासकीय कन्या शाला में होगा वैक्सीनेशन

माही की गूंज, मेघनगर।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की जगह अब मेघनगर के कन्या शाला हाई सेकेंडरी स्कूल में कोविड वैक्सीन लगाने का कार्य किया जाएगा। बीएमओ सेलेक्सी वर्मा ने बताया कि, मेघनगर में कोविड के टेस्ट कराने वालों की संख्या अधिक होने से एवं अन्य बीमारी के मरीज अपना चेकअप कराने आने से बढ़ती भीड़ एवं दूसरे व्यक्तियों में संक्रमण फैलने के डर से आम जनता एवं पेशेंट की सुरक्षा को देखते हुए यह स्थान बदला गया है। इस स्थान को छोड़ शासकीय स्कूल कन्या शाला में वैक्सीन लगवाने का कार्य किया जा रहा है। वहां पर वैक्सीन लगाने वालों को अच्छी सुविधा मिल रही है।

पुलिस ने जन जागरण व गांव-गांव तक पहुंचने के लिए गांव के ही युवाओं की तैयार की टीम

माही की गूंज, झकनावदा। आनंद सिंह सोलंकी

ग्राम में सहयोग कर रहे में कोरोन वोलेंटियर की टीम को अपनी सुरक्षा के लिए प्रस्फुटन समिति के द्वारा दिए गए माक्स, टीशर्ट, केप, गमछा और आईडी कार्ड चौकी प्रभारी द्वारा वितरण किया गया।

चौकी प्रभारी जीएस मावी ने कहा कि, आप सभी मिलकर गांव व आस-पास के लोगो को भी समझाइस दे, उनका सहयोग करे। इसी के साथ टीम के सभी सदस्यों को चौकी प्रभारी जीएस मावी के द्वारा कीट वितरीण के साथ ही शपथ ग्रहण करवाई गई।

जन जागरण के लिए कोराना स्वयंसेवकों के साथ पुलिस पहुंचेगी हर गांव व मोहल्ले तक

झकनावदा में कोरोना संक्रमण की चेन को किसी भी सूरत में रोका जाए, उसके लिए हर स्तर पर प्रयत्न किया जा रहा हैं। इस क्षेत्र में समिति व पुलिस ने जन जागरण के लिए गांव-गांव तक पहुंचने के लिए गांव के ही युवाओं की एक टीम तैयार की है, जो पुलिस टीम के साथ मिलकर गांव-गांव में जाकर कोरोना संक्रमण के बढ़ते खतरों के साथ उससे लड़ने के लिए प्रारंभिक स्तर पर कौन-कौन सी सावधानी रखी जाए, उससे अवगत करवाएगी। प्रस्फुटन समिति की टीम में उन युवाओं को लिया गया है जो सामाजिक कार्य करने में रुचि रखते ओर सक्रिय हैं।

पुलिस द्वारा स्वयंसेवकों को ड्रेस कोड के साथ दी गई टीशर्ट

पुलिस द्वारा स्वयंसेवकों को ड्रेस कोड के लिए में कोरोना वालेंटियर से लिखी हुई टी-शर्ट दी गई है। चौकी प्रभारी ने बताया कि, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देश में टीम हर दिन कानून व्यवस्था बनी रहे, साथ में जन जागरण भी हो इसके लिए हर संभव प्रयत्न कर रही है। कोरोना काल की इस आपदा में पुलिस द्वारा निभाई जा रहे सामाजिक सरोकार की भूमिका का विकेंद्रीकरण कर युवाओं को जोड़ने की एक पहल की है, जिससे कम समय में अधिक लोगों तक पहुंचा जा सके, इसमें कोराना वालेंटियर वाले निश्चित रूप से अपनी मदद करेंगे।

उक्त आयोजन में प्रवीण यादव, सुरेंद्र सिंगार, चंद्रशेखर राठोर, मेसरसिंह मुंडिया, दीपिका गोली, किशन डामोर, रतन मखोड़, पूनम माखोड, पुष्पेंद्र सिंह सिंगार, खेलसिंह हटीला, राहुल गुंडीया, धर्मेंद्र यादव, मनीष मीणा, कमलेश मकवाना, कुलदीप आचार्य आदि उपस्थित रहे।

शराब दुकान शुरू, पर बाजार बंद

4 अप्रैल को खाली हुआ शराब से भरा ट्रक।

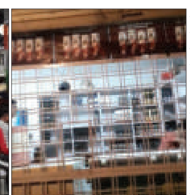

सोमवार रात साढ़े 10 बजे खुली थी शराब दुकान

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंचाल

कोरोना महामारी में कोरोना कर्फ्यू के चलते पूरा बाजार बंद है। छोटी-छोटी दुकान, पान की घुमटीया, चाय की घुमटीयां आदि अनेक छोटी-छोटी दुकानें जिससे लोग रोजाना कमाते थे और अपना गुजर-बसर करते थे। गरीब से गरीब व्यक्ति आज अपनी दुकानें बंद करके घर में बैठा है जो एक जुन की रोटी भी नहीं जुटा पा रहा है। वही सरकार ने शासकीय शराब दुकान को शुरू करवा दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि, हम छोटे-छोटे व्यापारी हैं जिनकी दुकान सरकार ने सख्ती के साथ बंद करवा रखी है और सरकार खुद लाखों रुपए की शराब बिकवा रही है, वही रात भर अवैध शराब का गोरखधंधा कोरोना कर्फ्यू में भी रात में छोटे-बड़े वाहन शराब से भर-भरकर के निकाले गए है। जो आस-पास के क्षेत्र में अवैध शराब सप्लाई के साथ ही काफी मात्रा में गुजरात एवं राजस्थान में अवैध शराब सप्लाई के लिए भेजी गई, जिसे रोकने वाला कोई नहीं। परंतु छोटे-छोटे लोगों की दुकानें बंद करवाकर उनकी रोजी-रोटी छीनकर लोगों को भूखे मरने के लिए सरकार ने छोड़ रखा हैं, जिन्हें कोई पूछने वाला नहीं है। सरकार अवैध धंधों से अपनी आय तो बड़ा रही है लेकिन गरीबों के मुंह से निवाला भी छीन रही हैं। यह सच है कि, कोरोना कर्फ्यू लगते ही शराब के दो ट्राले क्षेत्र में आए थे जो शराब दुकान के गोडाउन से हटकर ऊपर के हॉल में एवं अन्य जगह चार पहिया वाहन द्वारा शराब ठिकाने लगा दी गई थी, जहां से कोरोना कर्फ्यू के दौरान अन्य क्षेत्र में पूरी शराब सप्लाई कर दी गई। अगर संबंधित अधिकारी इमानदारी से जांच करें तो शराब का अवैध कारोबार उजागर हो सकता है, लेकिन सभी जानते हैं कि, ऐसा कोई अधिकारी कुछ करने वाला नहीं है क्योंकि उन सभी के पास हर महीने अपने-अपने लिफाफे पहुंच जाते हैं, जिसके चलते शराब माफियाओं के हौसले बुलंद रहते हैं और जब चाहे जहां चाहे 24 घंटे अवैध शराब की सप्लाई की जाती है। रात की 10 से 11 बजे तक शराब दुकान खुली रखी जा रही है और उसके बाद अवैध शराब का कारोबार रात भर चलता रहता है।

डॉक्टर ने घर को ही बना दिया अस्पताल

माही की गूंज, मंदसौर।

सीतामऊ एसडीएम संदीप शिवा, स्वास्थय विभाग और पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से कार्रवाई कर पतलासी गांव में कोविड के गंभीर मरीजो को अपने घर में ही भर्ती कर इलाज कर रहे डॉक्टर जगदीश राठौर को गिरफ्तार किया है। बताया जा रही है कि उक्त डॉ. पहले भी बहुत गंभीर मरीजो का इलाज कर चुका है। डॉ. पर मध्यप्रदेश आयुर्वेद अधिनियम सहीत कोरोना कर्फ्यू के उल्?लंघन का मामला दर्ज चिकित्सीय सामग्री जप्त की गई है।

व्यापारी पर भी पुलिस कर रही चालानी कार्रवाई

माही की गूंज, खवासा।

खवासा चौकी पर पदस्थ चौकी प्रभारी रंजन सिंह गणावा वैसे तो अपने व्यवहार के साथ सीधे एवं साधारण व्यक्तित्व के धनी हैं, जो बेवजह से किसी भी प्रकार से अपना पुलिसिया रोब नहीं झाड़ते है। वरन् लोगों को कोरोना कर्फ्यू का पालन करने एवं ग्राम में आने वाले व्यक्तियों को बिना काम से बाजार में नहीं आने व घर से बाहर निकलने पर मास्क अवश्य रूप से पहन कर आने के समझाइश देते हैं। वही चौकी स्टाफ भी चौकी प्रभारी के आदेशानुसार कोविड महामारी के दौर में अपना कार्य कर रहे हैं, लेकिन पुलिस की समझाइश के बाद भी अपनी मनमानी कर बाजार में बिना काम से आने पर एवं बिना मास्क के आने वालों के साथ ही जिन भी व्यापारियों ने पुलिस की समझाइश के बाद भी अपनी मनमानी कर व्यापार करने की कोशिश की, समाचार लिखे जाने तक अभी तक के कुल 98 चालन बनाए गए।

यज्ञ व रात्रि जागरण कर निकाला कोरोना का रोकटा

माही की गूंज, खवासा।

कोरोना महामारी से जहां देश में हाहाकार मचा चुकी है तो वही विज्ञान भी फेल हो चुका है तो अब सिर्फपरमपिता परमात्मा से ही प्रार्थना कर हर गांव व क्षेत्र में कोविड-19 के पालन के साथ प्रार्थनाएं की जा रही है। वहीं वर्तमान में मुस्लिम समुदाय भी रमजान में इबादत के दौरान कोरोना महामारी से निजात दिलाने हेतु खुदा से दुआएं कर रहे हैं। इसी तरह हर जाति, समाज वर्ग के व्यक्ति इस महामारी से जड़ मूल से निजात दिलाने हेतु अपने-अपने हिसाब से धार्मिक आस्थाओं के साथ प्रार्थनाएं कर रहे हैं।

खवासा में भी कोविड-19 के पालन के साथ खेड़ा देवी चामुंडा माताजी मंदिर पर हवन एवं यज्ञ में आहुतियां देकर गांव व क्षेत्र से कोरोना बीमारी का रोकटा जड़ मूल से खत्म करने के उद्देश्य के साथ मंगलवार को रात्रि जागरण कर बुधवार को खवासा में पंचायत की रेड के बाद कोरोना कर्फ्यू के साथ कृषि फार्म तक बंद कर कोरोना रूपी बीमारी का रोकटा माताजी मंदिर पर स्थापित कलश के पानी के छिड़काव के साथ गेहूं के बाकले ग्राम में भ्रमण कर छिड़काव कर गांव के सेवाडे पर जाकर उक्त बीमारी के रोकटे को निकाला गया।

पुरानी खासकर आदिवासी बाहुल्य जिले में आदिवासी समाज में मान्यता है कि, कोई भी बीमारी जो नर संहार भी कर रही हो और गांव में हाहाकार मचा रही हो तो यह विधि कर गांव के सेवाडे पर बीमारी का रोकटा निकाले जाने पर गांव से बीमारी चली जाती है।

पटक-पटककर पिटती है एमपी की पुलिस

माही की गूंज, झाबुआ।

कोरोना के इस संकट की घड़ी में आम और क्या खास सब परेशान है। शासन-प्रशासन के सामने दिनभर कई समस्याएं रहती है, जिसके कारण प्रशासनिक नुमाइंदों का पारा चढ़ा सा रहता है और उसके उदाहरण आए दिन हमे कई जगह देखने को मिल भी रहे है। इसी दौर में कई जगह प्रदेश की पुलिस का आम आदमी के साथ जो व्यवहार देखने को मिल रहा है, वह निंदनीय भी है। हां केवल ये ही बात नही है कि, पुलिस हमे अपना आपा खोए दिखाई देती है, प्रदेश में कई जगह पुलिस के सराहनीय कार्य भी देखे जा सकते हैं।

शहडोल में पुलिस की बर्बरता।

रीवा में पुलिस की बर्बरता।

इंदौर का एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें दो पुलिसकर्मी एक व्यक्ति को बीच चौराहे पर मास्क न लगाने की बात पर पटक-पटक कर पीट रहे थे, मामले के तूल पकड़ने के बाद उन्हें सस्पेंड कर दिया गया था। जिसके बाद शहडोल के पपोन थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस का बर्बरता पूर्वक एक व्यक्ति को पटक-पटककर पीटने का वीडियो सामने आया था, जिसमें पुलिसकर्मी की दबंगई साफ जाहिर हो रही है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस का यह कहना है कि, वह व्यक्ति कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन कर बाजार में सब्जी बेच रहा था, जिसके चलते व्यक्ति से हाथापाई हुई। वही एसडीओपी शहडोल का कहना था कि, जिस व्यक्ति की पिटाई हुई वह तो आदतन अपराधी है उस व्यक्ति पर हत्या, डकैती व मारपीट के कई मामले दर्ज हैं। लेकिन एसडिओपी साहब अगर वह आदतन अपराधी है तो कानुन उसे सजा देगा और कोई व्यक्ति अपराध करता है तो उसके विरूद्ध अवश्य मामला दर्ज करे पर यह क्या न्यायसंगत है कि, पुलिस कोई बात अच्छी नही लगे तो व्यक्ति को अपराधी से भी ज्यादा मानकर उस पर अपनी वर्दी का रोब दिखाकर ईस तरह से पिटना? यहां पुलिस अपराध के कटघरे में खडी है।

वही एक और मामला रीवा का है, एसपी साहब व पुलिसकर्मी का एक साहसी वीडियो वायरल हुआ? जिसमें एसपी साहब की गाड़ी से एक पुलिसकर्मी उतरता है और दो बाइक सवार जो सब्जी लेकर जा रहे थे, उनकी बाइक के टायर की हवा निकाल देता है और दूसरा पुलिसकर्मी लाते मार-मारकर सब्जी सहित बाइक को गिरा देता है। बाद में सब्जी ले जा रहे व्यक्ति का कहना है कि, पुलिस पिटती है और बिना कोई चालानी कार्रवाई के सब्जी पता नही कहा ले जाती है।

पूरे मामले में रीवा एसपी का कहना है कि, जहरीली तौर पर सब्जी उपज की जा रही है जो लोगों के लिए नुकसानदायक है, ऐसी सब्जी खरीदने के लिए लोगों की बाजार में भीड़ लगती है जिससे कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन होता है।

एक तरफ किसान की बाइक पर लात मारकर उसकी कड़ी धूप में की हुई मेहनत पर पानी फेर दिया जाता है और दूसरी ओर परिवार के पालन पोषण के लिए मेहनत करते व्यक्ति की लात-घुसो से पिटाई की जाती है। वही पुलिस के आला अधिकारी बिना तर्क संगत संवाद कर सफाई देकर पुलिस की घीनोनी करतुतो को दबाने को प्रयास कर एक सीरे आमजन को ही गुनहगार बताना भी कहां तक न्यायसंगत है?

दोनों ही मामलों को देखने के बाद सवाल उठता है कि, क्या कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन करने पर इस तरीके से लात-घुसो से पीटा जाएगा? हां, कोरोना कर्फ्यू के उल्लंघन पर पुलिस को कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है, लेकिन क्या कार्रवाई इस तरीके से होगी? क्या अगर कोई सरकारी गाईडलाइन का उल्लंघन करता है तो उसके साथ बर्बरता पूर्वक इसी तरह से व्यवहार किया जाएगा? खैर जो भी हो अपनी उक्त करनी के बाद पुलिस पर यह सवाल उठने तो वाजिब है।

प्रशासन नही कर पा रहा कोई व्यवस्था, कलेक्टर के निर्देश भी हवा में उड़ाए

अव्यवस्थाओं से जूझते सिविल हॉस्पिटल में समाज सेवियों के दम पर मिल रहा है मरीजों को इलाज

कोविड सेंटर में ऑक्सीजन के नाम पर चल रहा इलाज

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

पेटलावद में आठ करोड़ से अधिक की लागत से बने सिविल हॉस्पिटल का उद्घाटन सुविधाओं के अभाव और राजनीतिक उलझनबाजी मे नही हो सका। लेकिन कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के बढ़ते दबाव के बीच सिविल हॉस्पिटल में कोविट सेंटर बनाने का निर्णय लिया गया। वहीं कोविड सेंटर की आड़ में बिना किसी सुविधा वाले सिविल हॉस्पिटल का उद्घाटन कोविड प्रभारी मंत्री हरदीपसिंह डंग और सांसद गुमान सिंह डामोर द्वारा कर दिया गया।

समाजसेवी और जन सहयोग करने वालो के भरोसे सिविल हॉस्पिटल

उद्घाटन के बाद से ही उक्त सिविल हॉस्पिटल समाजसेवी और जनसहयोग करने वालो के भरोसे है। हॉस्पिटल में लगे बेड से लेकर पीने के पानी और ऑक्सीजन मशीन तक जनसहयोग से लगाई गई है, जिनके भरोसे यहां लोग इलाज के लिए आ रहे हैं। ऑक्सीजन की समस्या से निपटने के लिए सिविल हॉस्पिटल में लगभग 17 लाख रूपए की लागत से ऑक्सीजन प्लान्ट लगाया गया, जनसहयोग में लोगो ने बढ़-चढ़कर राशि दी और प्लांट की जरूरत से अधिक राशि एकत्रित हो गई, अब बची हुई राशि से गौतम ग्रुप के माध्यम से अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए थुल्ली, फ्ल-फ्रूट और पानी की व्यवस्था की जा रही है। जिन मरीजों के पास दवाई आदि के लिए व्यवस्था नही हैं उनको भी मदद की जा रही है। लेकिन प्रशासन की और से ज्यादा कोई व्यवस्था नही है, जिससे मरीज़ों को पर्याप्त सुविधा नही मिल पा रही है।

कलेक्टर के आदेश को हवा में उड़ाया, पीने के पानी तक की व्यवस्था नही

सिविल हॉस्पिटल शुरू होने और ऑक्सीजन मशीन लगने तक कई बार जिले के कलेक्टर सिविल हॉस्पिटल का दौरा कर चुके हैं और स्थानीय प्रशासन को मरीज़ों के इलाज के लिए जरूरी सुविधा करने के लिए निर्देश भी दे चुके हैं। जिला कलेक्टर ने प्रशासन से मरीजों के लिए बिसलरी पानी की बोतल और मनोरंजन के लिए कैरम आदि की व्यवस्था करने को कहा था, जिससे भर्ती मरीज़ों का टाइम पास अच्छे से हो सके। लेकिन स्थानीय प्रशासन ने साहब के आदेश को हवा में ही उड़ा दिया। कई दिनों तक मरीज़ और मरीजों के परिजन पानी के लिए परेशानी उठाते रहे, बाद में समाजसेवीयो के माध्यम से मरीज़ ओर उनके परिजनों के लिए पानी की नान लगाकर व्यवस्था की गई।

स्टॉफ, डॉक्टर और दवाइयों का अभाव, ऑक्सीजन के भरोसे मरीज़

सिविल हॉस्पिटल के नाम पर फ्लिहाल यहां कोई बड़ी व्यवस्था नही है, हॉस्पिटल में न तो पर्याप्त स्टॉफ है न ही डॉक्टर। मरीजों के लिए ज्यादातर दवाइयां, बोतल, इंजेक्शन भी बहार से लाने पड़ते थे। जन सहयोग से लगी ऑक्सीजन मशीन को चलाने के किए कोई एक्सपर्ट नही है जिससे मशीन में आने वाली कई प्रकार की परेशानियों से भी जूझना पड़ रहा है। फ्लिहाल तो सिविल हॉस्पिटल में ऑक्सीजन की उपलब्धता के कारण मरीज़ यहां रह रहे हैं, लेकिन गम्भीर स्थिति से निपटने के लिए कोई विकल्प यहां मोजुद नही है।

जनसेवा के लिए लोग आ रहे आगे

जनसहयोग के माध्यम से जमा राशि से गौतम ग्रुप लगातार सिविल हॉस्पिटल में अपनी और से सेवा कर रहा हैं। वही अहोदिया फाउंडेशन के भरत चौधरी मरीजों की जरूरत के हिसाब से पंहुचकर भोजन, मरीजों को बाहर भेजने व भाप मशीन की व्यवस्था करते हैं। शगुन होटल की ओर से भी मरीज़ों के लिए खाने की व्यवस्था सहित, जनसहयोग से हॉस्पिटल में ही भोजन की व्यवस्था शुरू की जा रही हैं, जिसके लिए लोगो द्वारा जरूरी सामान दिया जा रहा है, जिससे मरीज़ों के साथ उनके परिजनों को भी भोजन मिल सकेगा।

सुविधा बढ़ाने की मांग

स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण और अन्य अस्पतालो में जगह नही होने के चलते स्थानीय सिविल हॉस्पिटल में सुविधा बढ़ाने की मांग की है। जिससे यहां अधिक से अधिक मरीज़ों को सुविधा मिल सके।

दिन-रात सेवा में जुटे डॉक्टर सोलंकी कोरोना पॉजिटिव

सैकड़ों मरीजों को रोज देख निडर होकर करते रहे इलाज, डॉक्टर सोलंकी के कारण क्षेत्र में कोरोना के मामले हुए कम

सुविधाएं बिगड़े नही इसलिए करनी होगी वैकल्पिक व्यवस्था

माही की गूंज, बामनिया।

डॉक्टर मनीष सोलंकी

बामनिया स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ डॉक्टर मनीष सोलंकी ने कोरोना काल के दूसरे दौर में जबरदस्त स्वास्थ्य सेवाएं देते हुए न केवल बीमार बल्कि कोरोना संकृमितो का भी निडर होकर इलाज किया और अपने फ्रंटलाइन कोरोना वॉरियर्स होने का फर्ज पूरी ईमानदारी से निभाया। सेवा के प्रति उनका संकल्प ओर मरीजों को कोरोना के प्रति जागरूप करते हुए बीमारी से लड़ने ओर घर पर ठीक होने का जज्बा पैदा कर मरीजों में उत्साह का संचार कर इलाज में जुटे हुए थे। डॉक्टर सोलंकी के जुनून को देखकर अस्पताल का स्टाफभी पूरी तरह समर्पित होकर कोरोना काल मे काम करने में जुटा हुआ है। शासकीय अस्पताल में रोज सैकड़ों मरीजो की भीड़ जुट रही है जिसमे से अधिकांश मरीजो को कोरोना के ही लक्षण है, लेकिन डॉक्टर सोलंकी ने अब तक बामनिया ओर उसके आस-पास की व्यवस्था को पूरी तरह से संभाल रखा है। लगातार सेवाओ में जुटे डॉक्टर मनीष सोलंकी को स्वास्थ्य में थोड़ी खराबी होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से कोरोना टेस्ट करवाया था, जिसकी रिपोर्ट 8 मई को पॉजिटिव आई, जिसके बाद डॉक्टर सोलंकी होम आइसोलेट हो गए।

बिगड़ेगी स्वास्थ्य सुविधाएं

डॉक्टर सोलंकी के होते अब तक ग्राम में स्वास्थ्य सुविधाएं में किसी प्रकार की परेशानी नही आ रही थी, लेकिन डॉ. सोलंकी के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद अब स्वास्थ्य सुविधाएं बिगड़ सकती है। जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग को तुरंत वैकल्पिक व्यवस्था करना होगी। जिससे की ग्राम सहित आस-पास के गांवों से आने वाले सेकड़ो मरीजों को स्वास्थ्य सुविधा मिल सके।

जल्द स्वस्थ होने की कामना, फोन पर देते रहेंगे इलाज

जिस प्रकार से डॉक्टर सोलंकी अपने पूर्ण समर्पण के साथ जुटे हुए थे, उनकी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आने के बाद हर कोई उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहा है। डॉक्टर मनीष सोलंकी ने फोन पर चर्चा करते हुए बताया कि, वो अभी स्वस्थ हैं और होम आइसोलेट हो गए हैं, लेकिन किसी मरीज को आवश्यकता पड़ने पर फोन पर इलाज और सही निर्देशन देते रहेंगे। माही की गूंज टीम डॉक्टर सोलंकी के जज्बे को सलाम कर उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करती हैं।

कोविड मरीजों की उपचार व्यवस्था को लेकर विधायक ने कलेक्टर से की चर्चा

माही की गूंज, रतलाम/जावरा।

कोरोना महामारी के नियन्त्रण में प्रशासन की भूमिका बहुत अहम् है। ग्रामीण क्षेत्रो में कोविड केयर सेंटर बनाए जाना चाहिए एवं सेवानिवृत्त व पेरामेडिकल स्टाफकी सेवाए ली जाना चाहिए। मरीजो को प्राथमिक उपचार समय पर तुरंत मिल सके, इसके प्रयास करना आवश्यक है।

उक्त बात विधायक डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय ने नवागत कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के साथ बैठक में कही। श्री पुरुषोत्तम जावरा पहुचे, जहां विश्रामगृह पर विधायक डॉ. पाण्डेय से अनौपचारिक भेंट की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी व अनुविभागीय अधिकारी राहुल धोटे भी थे। बैठक में डॉ. पाण्डेय ने कोरोना महामारी के नियंत्रण के लिए जावरा सिविल हास्पिटल में जनसहयोग से आक्सीजन प्लांट स्थापना की जानकारी देते हुए बताया कि, नगर के दानदाताओं व समाजसेवियों ने इस मानवीय कार्य में सहयोग दिया है, जिसके फ्लस्वरूप शीघ्र ही आगामी दिनों में ऑक्सीजन प्लांट प्रारम्भ हो सकेगा। इसी के साथ ऑक्सीजन कन्संट्रेटर के माध्यम से सिविल हॉस्पिटल में 70 से 80 मरीजो का उपचार किया जा रहा है। इसके अलावा शासकीय कोविड़ सेंटर सरस्वती शिशु मंदिर में भी मरीजो का उपचार किया जा रहा है। विधायक निधि से सिविल हास्पिटल जावरा में अधोसरंचना व आवश्यक उपकरणों को लाया गया है व डिजिटल एक्स-रे मशीन भी स्थापित की गई है।

डॉ. पाण्डेय ने बताया कि, संक्रमण को रोकने के उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्रो में अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। सुझाव दिया कि, सेवानिवृत, डिप्लोमाधारी या पेरामेडिकल स्टाफकी भी सेवाए ली जाना चाहिए ताकि ग्रामीण स्तर पर कोविड केयर सेंटर शुरू हो सके और प्राथमिक उपचार समय पर मिल सके। उन्होंने रतलाम मेडिकल कॉलेज में उपचार एव गंभीर मरीजो को तुरंत भर्ती किए आने के सम्बन्ध में भी चर्चा की।

इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी श्री धोटे ने कोरोना कंट्रोल रूम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि, होम आईसोलेट मरीजो पर नजर रखी जाती है, इसके अलावा अधिक पाजिटिव मरीजो के घर के आस-पास माईक्रो कन्टेनमेंट एरिया भी बनाया जा रहा है।

प्रतिध्वनि संस्थान निभा रहा निःशुल्क सामाजिक सरोकार, अब तक करीब 50 हजार निःशुल्क मास्क का किया वितरण

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)।

कुशलगढ़ उपखंड में संचालित प्रतिध्वनि संस्थान की सखी योजना कोरोना महामारी में अपना अमूल्य योगदान निभाते हुए सामाजिक सरोकार निभाकर क्षेत्र में शासन-प्रशासन, पुलिस, चिकित्सा विभाग सहित जरूरतमंद को संस्थान की और से स्वयं संस्थान के खर्च पर मास्क तैयार करवाकर अब तक 50 हजार के करीब निःशुल्क मास्क वितरण के साथ अनूठी पहचान कायम करते हुए सामाजिक सरोकार का संदेश दिया जा रहा है।

संस्थान निदेशक डॉ. निधि जैन ने बताया कि, संस्थान में विशेषकर महिलाओं और युवतियों को सीलाई प्रशिक्षण के साथ आर्ट एंड क्राफ्ट, मेहंदी, कढ़ाई, बुनाई, कम्प्यूटर प्रशिक्षण सहित एप्लीक वर्क का प्रशिक्षण विगत पांच वर्षो से दिया जाकर अब तक पांच सौ से अधिक महिलाएं आत्मनिर्भरता की और जूडकर अपना स्वयं का घर बैठे रोजगार चला रही है। पिछले वर्ष से कोरोना संक्रमण में महामारी से लगाकर वर्तमान में विकराल बन चुकी जानलेवा लहर में अब तक संस्थान ने करीब डेढ़ लाख मास्क बनाकर एक मिसाल कायम की है जहां अब तक शासन-प्रशासन, पुलिस, चिकित्सा सहित विभिन्न संस्थाओं और जरुरतमंद को संस्थान 50 हजार के करीब निःशुल्क मास्क उपलब्ध कराए है। कोरोना संक्रमण से फ्लिहाल संस्थान में प्रशिक्षण बंद है, लेकिन यहां के प्रतिमाह मानदेय पर कार्यरत कार्मिक एडवाइजरी का पालन करते हुए अब भी मास्क तैयार कर वितरण का काम किया जा रहा है तथा आम लोगों को बाजार से बहुत कम दर पर रियायती दर पर मास्क उपलब्ध कराए जा चुके हैं। संस्थान के मास्क विदेश दक्षिणी अफ्रीका तक पहुंच चुके हैं और संस्थान आने वाले समय में भी शासन प्रशासन को जरुरत पर निःशुल्क मास्क उपलब्ध कराने और सेवा के लिए कटिबद्ध है।

स्कॉउट, गाईड टीम, प्रशासन के दिशा निर्देश पर निभा रहे सामाजिक, मानवीय सरोकार

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)।

नगर सहित देहात में स्कॉउट, गाईड टीम जिला कलेक्टर कार्यालय प्रशासन के आदेश पर एनसीसी, स्कॉउट, गाईड टीम कुशलगढ़ सचिव दिग्पालसिंह राठौड़ के नेतृत्व में कोरोना संक्रमण चौन तोड़ने, एडवायजरी का पालन करने की दिशा में मानवीय, सामाजिक और जीवदया का सरोकार निभाकर धरातल पर सेवा कार्यो में जुटे हैं। जन सुरक्षा और संकल्प पखवाडे के साथ इन दिनों जारी गाईडलाइन सख्त पखवाड़े में गत 23 अप्रैल से प्रशासनिक दिशा निर्देश मास्क वितरण, पक्षियों के लिए पानी सकोरो, चुग्गा पात्र, सेनीटाइजर, घर से बाहर नहीं निकलने, वैक्सीनेशन कराने की दिशा में सार्थक पहल के साथ प्रतिदिन अपनी ड्यूटी नियमानुसार निभा रहे हैं। टीम में रामगढ़ राउमावि शिक्षक प्रेमप्रकाश, खेडपुर रामदास परमार, ठुम्मठ माधवलाल कटारा, चुडादा दिव्या पण्डया, लोहारिया बड़ा मनीषा बारिया स्कॉउड, गाईड अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कुशलगढ़ सचिव दिग्पालसिंह राठौड़ ने बताया कि, टीम अब तक मास्क वितरण के साथ, टिकाकरण मोटिवेशन, टिकाकरण केंद्र पर सामाजिक दूरी का पालन करने, सरकारी, प्रशासनिक व शिक्षालयो में सकोरे बांधने, चुग्गा पात्र लगाने सहित एडवाइजरी पालन करने की अपील में सेवा कार्य आगामी आदेश तक सतत जारी है।

पत्रकार जितेश विश्वकर्मा और भाजपा युवा नेता सोनू विश्वकर्मा को पितृ शोक

घनश्याम विश्वकर्मा

माही की गूंज, पेटलावद। पत्रकार जितेश विश्वकर्मा, भाजपा नेता सोनू विश्वकर्मा तथा हितेश विश्वकर्मा के पिताजी घनश्याम विश्वकर्मा (लोहार) का 68 वर्ष की उम्र में सोमवार को इंदौर में निधन हो गया। श्री विश्वकर्मा ने जल संसाधन विभाग पेटलावद में सब इंजीनियर के पद पर पदस्थ रहकर कई वर्षो तक अपनी सेवाएं दी थी तथा रिटारमेंट के बाद वह इंदौर में रह रहे थे। उनका अंतिम संस्कार इंदौर में ही किया गया, जहा उनके बड़े पुत्र ने उन्हें मुखाग्नि दी। श्री विश्वकर्मा के निधन पर पत्रकार संघ झाबुआ के जिलाध्यक्ष संजय भटेवरा तथा पेटलावद के समस्त पत्रकारों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोरोना काल की विकट परिस्थिति मे स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित

माही की गूंज, पेटलावद/झकनावद।

पेटलावद तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत झकनावदा का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जहां पर करीब 25-30 पंचायत लगती है एवं आस-पास क्षेत्र के करीब 10 हजार से अधिक लोग निवास करते है, जो कि इसी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ही निर्भर है। बात करे यहां डॉक्टर व स्टॉफकी तो केवल एक मात्र बीएमओ डॉक्टर एमएल चोपड़ा ही है, जो क्षेत्र की जनता को सुबह 11 बजे तक संभालते हैं, उसके बाद पेटलावद अपने बीएमओ पद का निर्वाह करने के लिए चले जाते हैं। उसके बाद यहां पर मेडिकल स्टॉफमें एक अच्छा ड्रेसर नहीं है और न ही अनुभवी स्टाफ नर्स है, लम्बे अरसे से पद अभी तक खाली है। डिलीवरी के लिए सरदारपुर या पेटलावद जाना पड़ता है, कभी-कभी तो लोगों की जान पर बन आती है। लैब टेक्नीशियन तो है परंतु लैब पैथोलॉजी में कोई सुविधा नहीं है। सरकार के स्वास्थ्य विभाग को लेकर विकास के दावे खोखले साबित हो रहे हैं और झकनावदा से धीरे-धीरे लोग कोरोना काल में ऑक्सीजन के अभाव में दम तोड़ते नजर आ रहे हैं और धीरे-धीरे इस दुनिया से रुखसत होते जा रहे है। जिला प्रशासन, कलेक्टर, सांसद, जनप्रतिनिधियों से झकनावदा की जनता अपील करती है कि, आप लोगों से सिर्फमास्क पहनने, हाथों को बार-बार धोने, सेनीटाइज करने, 2 गज की दूरी है जरूरी आदि बातें तो बताइए ही परंतु हकीकत में कुछ हॉस्पिटल में सुविधा भी दीजिए। केवल अपील करने से ही सारी चीजें अपने आप नहीं हो जाएगी, सारी चीजों को करने के लिए धरातल पर लाना पड़ता है।

अधिकारी सिर्फ अपील करने आते है और अपील करके चले जाते है

झकनावदा में कोरोना काल में बहुत से अधिकारी आते रहते हैं, परंतु अभी तक किसी ने भी यहां के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सुध नहीं ली कि, यहां पर कितना मेडिकल स्टाफहै। उन्हें तो सिर्फ लोगों से अपील करना है और अपील करके चले जाना है हकीकत कुछ और ही है। अगर जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा झकनावदा में कोरोना कर्फ्यू का पालन करवाने के लिए लोगों के बीच आए थे तो थोड़ा समय निकालकर हो पास ही बने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जाकर देखना था व जानकारी लेना थी कि, वहां पर दस हजार से अधिक लोगों की जनसंख्या वाला क्षेत्र एक ही डॉक्टर एमएल चोपड़ा के भरोसे है। जिला कलेक्टर श्री मिश्रा एवं जिले के स्वास्थ्य अधिकारीयों से क्षेत्र की जनता मांग कर रही हैं कि, जिला हॉस्पिटल झाबुआ में या कहीं पर भी अतिरिक्त स्टाफहो तो एक डॉक्टर की प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र झकनावदा पर नियुक्ति अति शीघ्र की जाए। अगर इस पर ध्यान नही दिया आने वाले समय में स्थिति भयावह हो सकती है, और धीरे-धीरे लोग कोरोना काल के गाल में समाते चले जाएगे।

संपादकीय

वैश्विक सहयोग से महामारी का मुकाबला

कोरोना काल के इस विकट समय में भारत समेत दुनिया के तमाम देश कोरोना महामारी की दूसरी व तीसरी लहर से जन-धन की व्यापक क्षति उठा रहे हैं, एसे में वैक्सीन को अंतिम सुरक्षा कवच के रूप में देखा जा रहा है। इसकी एक वजह यह भी है कि, यदि टीकाकरण में देरी होती है तो संभव है कि वायरस नए वैरिएंट के रूप में कहर बरपाने लगे। वैश्वीकरण के इस दौर में किसी एक देश की वायरस से होने वाली बुरी स्थिति पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकती है। ये ही वजह है कि, मानवता की रक्षा के लिए इस वायरस के खिलाफ साझी लड़ाई की जरूरत महसूस की जा रही है। विडंबना यह है कि, दुनिया के देशों को महामारी ही नहीं गरीबी भी मार रही है। साम्राज्यवादी ताकतों के उपनिवेशों से मुक्त हुए देशों को गरीबी विरासत में मिली है। ये ही वजह है कि, दुनिया के तमाम देशों का संरचनात्मक ढांचा और वैज्ञानिक कौशल उस स्तर का नहीं है कि, इस महामारी से जोरदार तरीके से लड़ा जाए।

दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन उत्पादक देश भारत अपनी वैक्सीन खोजने के बावजूद बड़ी आबादी को टीके का सुरक्षा कवच अभी तक नहीं दे पाया है। इस चुनौती के मद्देनजर बीते साल भारत ने अमेरिका व यूरोपीय यूनियन से मांग की थी कि, कोरोना वैक्सीन को बौद्धिक संपदा कानून के दायरे से मुक्त किया जाए, जिससे गरीब देश भी वैक्सीन उत्पादन की दिशा में उन्मुख हो सकेंगे और दुनिया को तबाही के कगार पर ले जाने को आमादा कोविड-19 की महामारी को खत्म किया जा सके, लेकिन तब अमेरिका तथा अन्य विकसित देशों ने भारत की तर्कपूर्ण बात को त्वजो नहीं दिया। लेकिन अब भारत व दक्षिण अफ्रीका आदि की अपील पर अमेरिका ने कोविड वैक्सीन पर पेटेंट के दावे को अस्थाई रूप से वापस लेने का फैसला किया है। नि:संदेह इससे उन गरीब मुल्कों को फायदा होगा जो अपनी आबादी को सस्ता टीका उपलब्ध कराने की आकांक्षा रखते हैं। यदि ये कोशिशें सिरे चढ़ती हैं तो सस्ता और मुफ्त टीका चाहने वाले देशों को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही उन देशों को फायदा होगा जो अपने देश में टीका बनाना चाहते हैं। हालांकि, अभी इस प्रक्रिया के सिरे चढ़ने से जुड़ी तमाम तरह की पेचीदगियां मौजूद हैं।

अमेरिका की टीका उत्पादक कंपनियां तथा अनुदारवादी अमेरिकी बाइडेन प्रशासन को आंखें दिखा रहे हैं। विडंबना यह है कि, महामारी दुनिया के तमाम देशों को समान रूप से अपना शिकार बना रही है, लेकिन अब तक बनी कुल 83 प्रतिशत वैक्सीन केवल अमीर व मध्यम आय वाले देशों में लग चुकी है। विसंगति देखिए कि, महामारी से बचाव के लिए जहां अमेरिका अपनी 44 फीसदी आबादी को टीका लगा चुका है, वहीं अफ्रीका में यह एक प्रतिशत ही है। अच्छी बात यह है कि, अमेरिका के बाद यूरोपीय यूनियन ने भी इस मामले में सकारात्मक प्रतिसाद दिया है। ऐसे वक्त में जब दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं चौपट हो रही हैं और स्वास्थ्य विशेषज्ञ लगातार वैक्सीनेशन पर जोर दे रहे हैं, इसमें अमीर मुल्कों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हालांकि, इस फैसले को तार्किक परिणति तक पहुंचाने में वक्त लग सकता है लेकिन अच्छी शुरुआत को आधी सफलता माना जाता है।

अब बिना किसी कानूनी झंझट और मुकदमेबाजी के दुनिया की फार्मास्यूटिकल तथा वैक्सीन उत्पादक कंपनियां वैक्सीन बनाने के अभियान को अमलीजामा पहना सकेंगी, अधिक व सस्ते टीकों से कोरोना महामारी को समय रहते जीता जा सकेगा। यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि, अमेरिका व यूरोपीय यूनियन के देश गरीब मुल्कों को वैक्सीन उत्पादन के लिए तकनीकी और कच्चे माल की सहायता किस सीमा तक करते हैं। फिर भी यह अच्छी बात है कि, दुनिया की महाशक्तियां इस घातक वायरस से मुकाबले के लिए राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर मानवता के कल्याण की दिशा में अग्रसर हुई हैं। यह वक्त की मांग भी है कि, हम इस संकट के खिलाफ साझा लड़ाई लड़ें।

स्वार्थी और मतलबी इंसान

स्वार्थ अपना हित साधने की उग्र भावना है, स्वार्थ की भावना रखने वाला व्यक्ति भले ही किसी को धोखा देकर तत्काल में फायदा उठा ले मगर भविष्य कंटीला हो सकता है। निस्वार्थ भाव से किया गया कार्य हमेशा प्रसन्नता लाता है जबकि स्वार्थ व्यक्ति को कमजोर बनाता है। जिसके अंदर स्वयं के लाभ की भावना नहीं होगी वह सभी का प्यारा होगा। सच्चे भाव से पूरी दुनिया आप की हो सकती है, लेकिन स्वार्थ के चलते आपकी दुनिया संकुचित भी हो जाती है। स्वार्थ सीमाओं से परे होता है स्वार्थ शब्द पर विचार करें तो 'स्व' और 'अर्थ' दो शब्दों से बना यह शब्द जीवन के उद्देश्यों को ही बदल देता है। 'स्व' अर्थात अपने को और 'अर्थ' का तात्पर्य है हित कल्याण धन संपत्ति आदि से योजित कर लेना। स्वार्थ शब्द अपने आप में बुरा नहीं है परंतु दूसरे के हितों को हानि पहुंचा कर अपना हित सोचना सर्वथा अनुचित है स्वयं को जानने के लिए आवश्यक है कि, मैं कौन हूं क्यों हूं। वह कौन है जो मुझ में है एक परमार्थहीन जीवन जीते भी मरने के समान है चाहे वह मन से हो, वाणी से हो या कर्म से हो पर हो ऐसे कि जैसे तुम्हें सदा जीना है और जियो ऐसे कि, जैसे तुम्हें कल ही दुनिया से चले जाना है दूसरों की मदद किए बिना हम अपनी मदद नहीं कर सकते दूसरों को खुशहाली दिए बगैर हम खुशहाल नहीं रह सकते।

इंसान जब अपने लाभ और हित के लिए कार्य करता है तो वह उसका स्वार्थ कहलाता है। 'स्व' 'अर्थ' अर्थात अपना लाभ जो कि स्वार्थ कहलाता है। स्वार्थ को समाज में अनुचित समझा जाता है। किसी को स्वार्थी कहना उसके लिए अपशब्द के समान होता है। जो इंसान स्वार्थ के नशे में अपराधिक कार्यों को अंजाम देते हैं वह कितने भी घातक हो सकते हैं ऐसे इंसानों के लिए रिश्ते व भावनाओं की कोई कीमत नहीं होती है। बुद्धिमानी ऐसे इंसानों से दूरी बनाकर रखने और उनसे सतर्क रहने में है। रिश्तों में अपनापन समझ कर किसी के स्वार्थ को सहन करना वास्तव में मूर्खता के अतिरिक्त कुछ नहीं है क्योंकि लुटने व बर्बाद होने के पश्चात सावधानी दिखाने का कोई लाभ नहीं होता है। इंसान के मन में जब स्वार्थ की वृद्धि होने लगे यदि उसी समय मन को शांत किया जाए तो सहजता से शांत किया जा सकता है अन्यथा इंसान का स्वार्थ पोषित होकर जीवन को विनाश के मार्ग पर ले जाता है एवं इंसान को परिणाम भुगतने के समय जब अहसास होता है तब तक बहुत देर हो जाती है। जीवन में यह समझना आवश्यक है कि, स्वार्थ द्वारा भौतिक सुख तो जुटाए जा सकते हैं कितु सम्मान उस स्वार्थी व्यक्ति का धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है उसका सामाजिक पतन निश्चित होता है यदि सम्मान चाहिए तो स्वार्थ से दूर रहना आवश्यक है वरना यह आपका पतन कर देगा।

वास्तव में देखा जाए तो स्वार्थी व्यक्ति से बड़ा खतरनाक कोई हो नहीं सकता, कई बार ईमानदार व्यक्ति इनके चंगुल में फंसकर बहुत बड़ा नुकसान कर बैठता है। इसी के चलते विद्वानों की सलाह है कि, स्वार्थी व्यक्ति से हमेशा दूरी बनाकर रखनी चाहिए, क्योंकि स्वार्थ के चक्कर में फंसकर वह अपना तो भविष्य चौपट ही रहा साथ ही आपके साथ इतना बड़ा धोखा कर सकता है कि, जीवनभर पछताना पड़े। पुराने पंजाब के एक छोटे से गांव की घटना के माध्यम से बताना है कि, वहां रामदास नाम के एक भगवत भक्त दर्जी रहते थे, जो आस-पास के जमींदार परिवारों के कपड़े सिल कर अपनी आजीविका चलाते थे। वह हमेशा भगवान के नाम स्मरण और भगवान की लीला में ही तल्लीन रहते थे। कपड़े सिलते समय भी उनका सुमिरन सतत चलता रहता, सब घटनाओं में वह परमात्मा कृपा का अनुभव करते थे। उनसे सभी लोग बड़े प्रसन्न थे और उन्हें भगतजी कहकर पुकारते थे। रामदास जी का एक पड़ोसी था जो उनसे ईर्ष्या एवं द्वेष करता था इनका शांति और आनंद से रहना उससे सहन नहीं होता था। वह हमेशा इनको परेशान और दुखी करने के लिए कुछ न कुछ करता रहता, पर सफल नहीं हो पाता। अपने स्वार्थ वश उसने कई बार नुकसान की सोचा, लेकिन जब वह बीमार हुआ तो भगत ने ही उसकी देखरेख की। इस कहानी से हमें सीख मिलती है कि, अपने कर्म निस्वार्थ भाव से करों भले सामने वाला दुष्ट हो।

स्वार्थ शब्द पर विचार करें तो 'स्व' और दो शब्दों से बना हुआ यह शब्द ऐसे प्रतीत होता है 'स्व' अपने को कहते है इसके अर्थ के तो अनेक अर्थ हो सकते हैं इसमें धन-संपत्ति व प्रायोजन की सिद्धि भी मानी जा सकती है। स्वार्थ शब्द अपने आप में बुरा तो नहीं है परंतु स्वार्थी मनुष्य अपने प्रयोजन की सिद्धि के लिए अनेक बार दूसरों के हित की हानि पहुंचा कर अपना हित अनुचित साधनों एवं अधर्म पूर्वक व्यक्ति काम करता है और स्वार्थ के नाम पर बुरा कार्य करने वाला यदि ज्ञानी है तो वह अपनी बुद्धि से ज्ञान का दुरुपयोग करता है। यदि ऐसा व्यक्ति ज्ञानी धार्मिक होता है तो धर्म को भी हानि पहुंचाता है। आज स्वार्थ बुद्धि इतनी अधिक बढ़ गई है कि, अपने सामान्य स्वार्थ के लिए भी व्यक्ति अन्य जीवो के प्राण तक ले लेता है जैसे सांप ने यदि नहीं भी काटा होता है तब भी यह विषैला प्राणी मानकर कदाचित काटना ले इस भय से उसे मार दिया जाता है। अतः आज तुलसीदास जी की रामचरितमानस की एक पंक्ति सत्य सिद्ध हो रही है कि, ''स्वार्थ लागि करें सब प्रीती, सुर नर मुनि की यह रीती'' आज के समय हर व्यक्ति अपने स्वार्थ के ही एक दूसरे से जुड़ा है। एक विद्वान का कथन है, यह संसार ही स्वार्थ का अखाड़ा है।

प्रफुल्लसिंह

स्वार्थी इंसान भ्रष्ट होकर समाज के लिए अंधा होता है आने वाली पीढ़ी को इस से कैसे बचाया जाए जो आज समाज हित में एक चिता का विषय बनता जा रहा है।

आज का मनुष्य समझदार कम है और स्वार्थी अधिक क्योंकि स्वार्थ इंसान को मतलबी बना देता है स्वार्थी मनुष्य सिर्फअपने बारे में यही सोचता है कि, किस तरह से खुद का फायदा होगा इस सोच में वह डूबा रहता है। अगर आप उसे समझने के बाद भी उसका साथ नहीं छोड़ते तो यह जान लीजिए कि आपका नुकसान होकर ही रहेगा। समय रहते इनसे सचेत होकर किनारा कर लेना ही उचित काम है। प्रतियोगी व व्यस्त जिदगी में स्वार्थी बहुत मिलेंगे और झूठा साथ निभाकर समय पर आपको नीचे गिरा देंगे। ऐसे लोगों का साथ करने से आपको भी अपयश मिलेगा। बड़े बुजुर्गों के अनुभव को भी हमें मानना चाहिए जिससे वह आपको सही और गलत व्यक्ति की पहचान बता सके। दोस्ती उनसे रखिए जो निजी हित का ध्यान न रख सर्वस्व आप पर न्यौछावर करें।

पहले गांव में हमेशा एक दूसरे की मदद को लोग तैयार रहते थे, कभी कोई स्वार्थ न था। आज आधुनिकता व प्रतिस्पर्धी समाज ने हमें स्वार्थी बना दिया। अब हमारी आंखों पर ऐसी पट्टी बंध गई कि, हमें अपने हित के आगे कुछ समझ ही नहीं आता है। भले किसी दूसरे को कितना नुकसान हो जाए या उसे हानि पहुंचे, लेकिन हम केवल और केवल खुद से मतलब रखते है। लेकिन यह भी ध्यान कर लेना चाहिए कि, ऐसे लोगों का साथ आखिर में कोई नहीं देता है और एक समय पर वह अकेले हो जाते हैं। आप दूसरों को गिराकर खुद तो जल्दी ऊपर पहुंच जाएंगे लेकिन उससे दोगुनी रफ्तार से नीचे आकर गिरेंगे। उस समय कोई भी सुख-दुख पूछने वाला नहीं होगा। स्वार्थ से तभी दूर रह सकते हैं जब आपके अंदर अपनत्व का भाव हो और आपके संस्कार आपको ऐसा करने से रोके।

हमारे गांव : भगवान भरोसे?

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

हमारे टीवी चौनल और अंग्रेजी अखबार शहरों की दुर्दशा तो हमें काफी मुस्तैदी से बता रहे हैं लेकिन देश के एक-दो प्रमुख राष्ट्रीय स्तर के हिंदी अखबार हमें गांवों की भयंकर हालत से भी परिचित करवा रहे हैं। मैं उन बहादुर संवाददाताओं को प्रणाम करता हूं, जिन्होंने पत्रकारिता का धर्म सच्चे अर्थों में निभाया है। पहली कहानी है- ललितपुर जिले (उप्र) के 13 गांवों की। इन गांवों की आबादी 1 से 7 हजार तक की है, इन सभी गांवों में लोग थोक में बीमार पड़ रहे हैं, 500 आदमियों के गांव में 400 आदमी बीमार हो गए हैं। बड़े गांवों में पहले हफ्ते-दो हफ्ते में एक मौत की खबर आती थी। अब रोज ही वहां शवों की लाइन लगी रहती है। अगर आप लोगों से पूछें कि, इतने लोगों को क्या हुआ है? तो वे कहते हैं कि, खांसी-बुखार है। पता नहीं यह खांसी-बुखार उनकी जान क्यों ले रहे हैं? उनसे पूछो कि, आप लोग जांच क्यों नहीं करवाते? तो वे कहते हैं कि, यहां गांव में आकर उनकी कौन डॉक्टर जांच करेगा? डॉक्टर तो 50-60 किमी दूर कस्बे या शहर में बैठता है। 50-60 किमी दूर मरीज को कैसे ले जाया जाए? साइकिल पर वह जा नहीं सकता। इसीलिए गांव में रहकर ही खांसी-बुखार का इलाज करवा रहे हैं। उनसे पूछा कि, इलाज किससे करवा रहे हैं तो उनका जवाब है कि, जिलों की ओपीडी तो बंद पड़ी हैं, यहां जो झोलाछाप पैदली डॉक्टर घूमते रहते हैं, उन्हीं की गोलियां अपने मरीजों को हम दे रहे हैं। वे 10 रु. की पेरासिटामोल 250 रुपए में दे रहे हैं।

कुछ गांवों के सरपंच कहते हैं कि, हमारे गावं में कोरोना-फोरोना का क्या काम है? लोगों को बस खांसी-बुखार है। यदि वह एक आदमी को होता है तो घर में सबको हो जाता है। जब सर्दी-जुकाम की सस्ती दवा की कालाबाजारी गांवों में इतनी बेशर्मी से हो रही है तो कोरोना की जांच और इलाज के लिए हमारे ग्रामीण भाई हजारों-लाखों रुपए कहां से लाएंगे?

ऐसा लगता है कि, इस कोरोना-काल में हमारी सरकारों और राजनीतिक दलों को बेहोशी का दौरा पड़ गया है। जनता की लापरवाही इतनी ज्यादा है कि उप्र के पंचायत चुनावों में सैकड़ों चुनावकर्मी कोरोना के शिकार हो गए लेकिन जनता ने कोई सबक नहीं सीखा।

ऐसा ही मामला राजस्थान के सीकर जिले के खेवरा गांव में सामने आया। गुजरात से 21 अप्रैल को एक संक्रमित शव गांव लाया गया। उसे दफनाने के लिए 100 लोग पहुंचे, उन्होंने कोई सावधानी नहीं बरती, उनमें से 21 लोगों की मौत हो गई। ऐसी हालत उत्तराखंड और उत्तरप्रदेश के कई अन्य गांवों में भी हो रही है लेकिन उसका ठीक से पता नहीं चल रहा है। देश के गांवों को सिर्फ सरकारों के भरोसे कोरोना से नहीं बचाया जा सकता, न ही उन्हें भगवान भरोसे छोड़ा जा सकता है। देश के सांस्कृतिक, राजनीतिक, समाजसेवी, धार्मिक और जातीय संगठन यदि इस वक्त पहल नहीं करेंगे तो कब करेंगे?

त्याग अनुराग का पर्व अक्षय तृतिया

अनुपम अक्षय तृतीया, पावन पर्व आया,
'इच्छा निरोधस्तप:' महत्व समझाया,
वर्षीतप आराधना जन-मन को भाया
सकाम निर्जरा का अद्वितीय अवसर पाया।
जाज्वल्यमान ज्योति पुरूष प्रथम तिर्थंकर की सुदीर्घ साधना।
तप त्याग का विश्व-संदेश, श्रद्धा-सुमन अर्पित भावना।।
अक्षयत्व, अमरत्व का मंगलमयी मानवीय संदेश हर्षाया।
असी, मसी, कृषि, विद्या, कला को आदिराज ने समझाया।।
''णमो सिद्धाणं'' -उच्चारितकर भिक्षु-धर्म स्वीकार किया।
महानतम् श्रमण-संस्कृति के आदि तीर्थ को स्थापित किया।।
हितकारी, सुखकारी, कल्याणकारी, देशना मुखरित होती रही।
देहातीत अन्त: अवस्था अनुभूति प्रबलतम होती रही।।
दीर्घ समय तक निराहारी प्रभु मौन विचरण करते रहे।
साधु-समाचारी से अनभिज्ञ सरल स्वभावी देखते रहे।।
विहार करते-करते आदि मुनि पहुंचे हस्तिनापुर।
अद्भुत स्वप्न देख रोमांचित हुए प्रपोत्र श्रेयांश कुमार।।
जाति स्मरण ज्ञान से परम कृपालु को देख सर्वस्व पा लिया।
विशुद्ध ईक्षुरस कलश से प्रथम अमृत-पारणा करवाया।।
''अहो दानं अहोदानं'' दिव्य नाद से दसों दिशाएं गूंज उठी।
अनिर्वचनीय आनंद से मानवता चहक-महक उठी।।
प्रथम तारक का चार सौ दिवस बाद हुवा संकल्प पूर्ण।
ज्ञान-दर्शन-चारित्र तप से यह अक्षयतिथि बनी पूर्ण।।
अब इसी स्मृति को साकार कर रहे हैं दीर्घ तपस्वी।
सचमुच ऐसे भव्य आराधक ही जैन दर्शन के हैं यशस्वी।।
स्वीकार हो, जनमास की भाववंदना अनुमोदना।
प्रभु ऋषभ की अक्षय-निधि की है शाश्वत् भावना।।
हे विभो! आदिनाथ भगवन! त्रैकालिक-स्तुति-वंदना।
''तुभ्यं नमो जिन! भवोदधि-शोषणाय''।।

श्रीमती इन्दिरा घोडावत झाबुआ

विचार मंथन: कांग्रेस की गत क्यों

सिद्धार्थ शंकर

देश के पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपनी हार के सिलसिले को तोडने में नाकाम रही, पार्टी का हाथ एक बार फिर खाली रह गया। राहत बस इतनी है कि, तमिलनाडु में वह डीएमके के साथ लड़ी थी और सरकार बन गई, मगर यह द्रमुक के कारण हुआ। ऐसा भी कह सकते हैं कि, इस राज्य में हर पांच साल बाद सत्ता परिवर्तन का ट्रेंड है, इसलिए भी द्रमुक की वापसी तय थी, क्योंकि अब तब अन्नाद्रमुक की सरकार थी। खैर, बाकी चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी और केरल में पार्टी की दुर्गति हो गई। पार्टी की हार पर मंथन के लिए सोमवार को दिल्ली में कांग्रेस अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई। हार की समीक्षा के साथ ही किसी फैसले पर बंटी हुई राय फिर सामने आ गई। पहले कहा गया कि, 23 जून को कांग्रेस अध्यक्ष के पद का चुनाव किया जाएगा। बाद में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोरोना काल में चुनाव का विरोध किया। दूसरे नेता भी उनके साथ हो लिए और अध्यक्ष के चुनाव को आखिरकार टालना पड़ा। कार्यसमिति की बैठक में सोनिया गांधी की टिप्पणी भी खास है। उन्होंने कहा कि, हम अगर कहें कि चुनाव नतीजों से काफी निराश हैं तो ये भी काफी नहीं होगा। कांग्रेस की दिक्कत यह है कि, वह भाजपा की हार से काफी खुश होती है, अपनी लुटिया भले ही पूरी डूब जाए। पार्टी की यही सोच उसे चुनाव दर चुनाव पीछे ढकेल रही है। पार्टी को यह समझने की जरूरत है कि, केरल और असम में वह क्यों हारी और बंगाल में एक भी सीट अपने नाम नहीं कर सकी। सोनिया गांधी ने कहा कि, अगर हम वास्तविकता नहीं देखेंगे तो आगे के लिए सबक कैसे लेंगे। अगर पांच राज्यों के चुनाव परिणाम पर नजर डालें, तो राहुल गांधी केरल तो प्रियंका गांधी ने असम में केंद्रित कर रखा था। ऐसे में असम और केरल तमाम संभावनाओं के बावजूद पार्टी की शिकस्त ने राहुल-प्रियंका के नेतृत्व व रणनीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पार्टी में उठते विद्रोह और बढ़ते असंतोष के बीच कांग्रेस की हार ने बागी नेताओं को गांधी परिवार के खिलाफमोर्चा खोलने का मौका दे दिया है। पांच राज्यों की चुनावी रणनीति का संचालन पूरी तरह कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व और उनके करीबी पार्टी रणनीतिकारों के हाथ में ही रहा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी केरल के वायनाड से सांसद होने के चलते विधानसभा चुनाव में उनकी साख दांव पर लगी थी। इसीलिए राहुल ने सबसे ज्यादा फोकस केरल के चुनाव प्रचार पर रखा था जबकि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने खुद को असम के प्रचार में लगा रखा था। हालांकि पांच राज्यों में से इन दोनों ने मुख्यतः खुद को दो राज्यों पर ही केंद्रित रखा। इसके बावजूद गांधी परिवार के दोनों नेता अपने-अपने राज्य में कामयाब नहीं रहे। कांग्रेस नेतृत्व सत्ता विरोधी माहौल के बाद भी जनमत को लुभाने में कामयाब नहीं हुआ। असम विधानसभा चुनाव में बीजेपी अपनी सरकार बचाने में एक बार फिर से सफल रही। वहीं, कांग्रेस का बदरुद्दीन अजमल की पार्टी के साथ गठबंधन करने का दांव भी फेल हो गया।

केरल में भी माना जा रहा था कि, राहुल कांग्रेस की अगुवाई वाले यूडीएफके पक्ष में एक सकारात्मक माहौल बना सकेंगे, क्योंकि वह अपने प्रचार के तरीके को बदलकर लोगों के बीच घुलकर मिलकर संवाद कर रहे थे। इसके बावजूद राहुल गांधी वाममोर्चा के पिनराई विजयन के सियासी वर्चस्व को तोड़ पाने में फेल हो गए। केरल के सियासी इतिहास में चार दशक के बाद कोई पार्टी लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी कर सकी है। असम और केरल चुनाव नतीजों से यह भी साफझलक रहा है कि, कांग्रेस का मौजूदा नेतृत्व सत्ता विरोधी माहौल के बाद भी जनमत को लुभाने में कामयाब नहीं हो पा रहा है।

चाणक्य नीति

लोभ से बड़ा दुर्गुण क्या हो सकता है। पर निंदा से बड़ा पाप क्या है। जो सत्य में प्रस्थापित है उसे तप करने की क्या जरूरत है। जिसका ह्रदय शुद्ध है उसे तीर्थ यात्रा की क्या जरूरत है। यदि स्वभाव अच्छा है तो और किस गुण की जरूरत है। यदि कीर्ति है तो अलंकार की क्या जरुरत है। यदि व्यवहार ज्ञान है तो दौलत की क्या जरुरत है और यदि अपमान हुआ है तो मृत्यु से भयंकर नहीं है क्या।

काम की बात

सपने और लक्ष्य में एक ही अंतर है सपने के लिए बिना मेहनत की नींद चाहिए और लक्ष्य के लिए बिना नींद की मेहनत।

एक सलाह

शरीर सुंदर हो या ना हो पर शब्दों को जरूर सुंदर होना चाहिए क्योंकि लोग चेहरे भूल जाते है पर शब्द को नही भूलते।

स्वास्थ्य सुविधाएं राम भरोसे, न तो आइसोलेशन वार्ड है न ही स्थाई चिकित्सक

माही की गूंज भानपुरा (मंदसौर), साहील आगवान

नगर में अभी स्वास्थ्य व्यवस्था नहीं सुधर पाई है ओर न ही अभी तक कोविड आइसोलेशन वार्ड, शासकीय अस्पताल में नहीं बन पाया है। यहां के कोविड मरीजों को गरोठ और मन्दसौर रेफर किया जाता है, जहा जाने पर घण्टों मरीज व उनके परिजन भटकते रहते है, जैसे-तेसे एड्मिट हो भी गए तो फिर उपचार और आक्सीजन के लिए भटकने को मजबुर हो जाते है। 35 हजार की आबादी वाले भानपुरा नगर में अभी तक कोविड आइसोलेशन वार्ड का न बनना बहुत ही चिंता का विषय है। भानपुरा तहसील के भैसोदा में सॉई नाथ नर्सिंग कॉलेज में विगत दो दिनों से कोविड आइसोलेशन वार्ड बनाया है पर वहां चिकित्सक अभी तक नहीं आए है, वहीं सॉई नाथ नर्सिंग कॉलेज का स्टाफ उपचार में लगा है। भानपुरा शासकीय अस्पताल में 12 चिकित्सक के पद है लेकिन आज तक एक भी स्थाई चिकित्सक नहीं है। ब्लाक मेडीकल आफिसर डॉ. बीएल सिसोदिया जो एकमात्र चिकित्सक यहां थे, उनकी माताजी का निधन हो जाने से वह भी चले गए, अब यहां संविदा चिकित्सकों के भरोसे भानपुरावासी चल रहे है। साथ ही प्राइवेट चिकित्सक वह भी डिग्रीधारी नहीं है वह उपचार कर रहे है। कहने को भानपुरा में डायग्नोस्टिक सेंटर है पर केवल भवन है, सब सुविधाएं यहां से चली गई। अभी तो भानपुरा जनसहयोग समिति, फेडण्स ग्रुप, बोहरा समाज, आरएसएस के स्वयं सेवक जनसहयोग से आक्सीजन सिलेंडर व अन्य चिकित्सा उपकरणों व दवाईयों के किट उपलब्ध करा रहे है लेकिन शासन स्तर पर अभी तक शासकीय अस्पताल में दो-तीन आक्सीजन कन्सट्रेक्टर मशीन के अलावा कोई साधन नहीं दिया है। आमजन ने क्षेत्रीय विधायक देवीलाल धाकड़ से मांग की है कि, भानपुरा में जल्द से जल्द कोविड आइसोलेशन वार्ड बनाए ओर स्थाई चिकित्सक नियुक्त करें।

ऑक्सीफ्लो मीटर की कालाबाजारी करते बीजेपी नेता गिरफ्तार, एफआईआर दर्ज

माही की गूंज, रतलाम।

माणकचौक पुलिस ने सोमवार रात भाजपा नेता व मेडिकल दुकान संचालक आरोपित राजेश माहेश्वरी को अपनी नाहरपुरा गली नंबर एक स्थित मेडिकल दुकान से आक्सीफ्लो मीटर की कालाबाजारी करते गिरफ्तार किया। उसकी दुकान से छह आक्सीफ्लो मीटर जब्त किए गए। वह 2 हजार 250 रुपए कीमत का आक्सीफ्लो मीटर 4 हजार रुपए में बेच रहा था। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि, नाहरपुरा गली नंबर एक में माहेश्वरी मेडिकल नामक दुकान पर आक्सीफ्लो मीटर की कालाबाजारी की जा रही है। सूचना पर एसपी गौरव तिवारी के निर्देशन में थाना प्रभारी अय्यूब खान के नेतृत्व में टीम गठित कर कार्रवाई के लिए भेजी गई। टीम के सदस्य दुकान के आस-पास जाकर छिप गए तथा एक पुलिसकर्मी को ग्राहक बनाकर पांच-पांच सौ के आठ नोट के साथ कुल चार हजार रुपए लेकर दुकान पर भेजा। दुकान संचालक ने रुपए लेकर ग्राहक (पुलिसकर्मी) को आक्सीफ्लो मीटर दिया, तभी थाना प्रभारी व टीम के अन्य सदस्य वहां पहुंचे और आरोपित दुकानदार राजेश माहेश्वरी (50) निवासी गुलमोहर कालोनी को हिरासत में ले लिया। बिल मांगने पर उसने बिल नहीं होना बताया। वहीं उक्त आक्सीफ्लो मीटर से प्राइज टैग भी हटा दिया गया था। तलाशी लेने पर दुकान में छह आक्सीफ्लो मीटर पाए गए, उन्हें भी जब्त कर लिया गया। प्रत्येक पर 2 हजार 250 रुपए मूल्य अंकित पाया गया। थाना प्रभारी अय्यूब खान ने बताया कि, आरोपित राजेश माहेश्वरी के खिलाफभादवि की धारा 420, 188, आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/4 तथा आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 51 (बी) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

कोर्ट का एसपी को आदेशः चिकित्सा के अभाव में बाइक पर वकील की मौत की जांच कर 25 मई को सौंपे प्रतिवेदन

माही की गूंज, रतलाम।

प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी कपिल वर्मा ने एसपी को वकील सुरेश डागर की दर्दनाक मौत के मामले की जांच करने के आदेश दिए हैं। इलाज के अभाव में मेडिकल कॉलेज से दूसरे अस्पताल जाते समय रास्ते में बाइक पर वकील डागर की मौत हो गई थी। न्यायालय ने एसपी को जांच प्रतिवेदन 25 मई को प्रस्तुत करने के लिए आदेशित किया है।

रतलाम जिला अभिभाषक संघ के पूर्व अध्यक्ष संजय पंवार की ओर से एडवोकेट प्रवीण भट्ट द्वारा न्यायालय में निजी परिवाद प्रस्तुत किया गया था। परिवाद पूर्व कलेक्टर गोपाल चंद्र डाड, डिप्टी कलेक्टर एवं शासकीय मेडिकल कॉलेज की प्रभारी शिराली जैन, शासकीय मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता, सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर ननावरे व आयुष हॉस्पिटल बंजली के डॉ. राजेश शर्मा के विरुद्ध प्रस्तुत किया गया था।

परिवाद में बताया गया कि, एडवोकेट सुरेश पिता रामलाल डागर (40) निवासी टाटानगर रतलाम को बुखार एवं सांस लेने में परेशानी थी। इस पर 4 मई को उसके भाई अनिल व माताजी उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज ले गए थे। करीब ढाई घंटे इंतजार करने के बाद भी डागर को मेडिकल कॉलेज में उपचार नहीं दिया गया। वजह यह थी कि, शहर विधायक चेतन्य कश्यप द्वारा मेडिकल कॉलेज को ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर और 60 बेड नए बिस्तरों के वार्ड तैयार करने का आयोजन किया जा रहा था। मेडिकल कॉलेज के डीन सहित जिम्मेदार अधिकारी उक्त आयोजन में व्यस्त थे।

रास्ते में बाइक पर मृत एडवोकेट सुरेश डागर और साथ में छोटा भाई अनिल व मां

मेडिकल कॉलेज से एडवोकेट डागर को आयुष हॉस्पिटल बंजली ले गए, वहां उपस्थित डॉ. राजेश शर्मा ने सुरेश का ऑक्सीमीटर देखा और कह दिया कि, हमारे यहां बेड उपलब्ध नहीं है, कहीं और ले जाओ। एडवोकेट डागर का ऑक्सीजन लेवल काफी कम होने और उनकी स्थिति गंभीर होने पर साथी अधिवक्ताओं द्वारा सभी जिम्मेदारों को दूरभाष पर संपर्क किया गया लेकिन कोई बात नहीं बनी। इससे अधिवक्ता साथियों ने सुरेश को काटजू नगर स्थित एक निजी निर्सिंगहोम में उपचार हेतु भर्ती किए जाने का प्रबंध किया। वहां पहुंचने से पहले ही राम मंदिर चौराहे पर सांस रुक जाने से सुरेश डागर की दर्दनाक मृत्यु हो गई।

30 फीसदी बेड कोविड मरीजों के लिए आरक्षित रखने का नहीं हुआ पालन

परिवाद में बताया गया कि, कुछ समय पूर्व प्रशासन द्वारा आदेश जारी किया गया था कि, निजी अस्पतालों में कुल क्षमता के 30 फीसदी बेड कोविड पेशेंट के लिए आरक्षित रखने के निर्देश दिए गए थे। यह व्यवस्था प्रक्रिया में हैं, अभी तक पूरी तरह से लागू नहीं हुई है।

न्यायाधीश को भी 95 प्रतिशत स्वास्थ्य खराब होने पर मेडिकल कॉलेज भेजा

परिवाद में बताया गया कि, एडवोकेट सुरेश डागर का निधन उपरोक्त जिम्मेदार अधिकारियों और डॉक्टरों की लापरवाही से हुआ। इसी तरह जिला न्यायालय में पदस्थ न्यायाधीश आनंद जंभूलकर को भी 10 दिन तक आयुष हॉस्पिटल बंजली में उपचार के लिए भर्ती रखा गया था। उनका स्वास्थ्य भी 95 प्रतिशत खराब होने के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। अतः दोनों ही मामलों में दोषियों को दंडित किया जाने का निवेदन न्यायालय से किया गया।

कोई भी अस्पताल मरीज को भर्ती या उपचार करने से मना नहीं कर सकता

एडवोकेट भट्ट ने बताया, न्यायालय में प्रस्तुत परिवाद में म.प्र. उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा 19 अप्रैल को पारित आदेश का हवाला भी दिया। इसमें बताया कि, न्यायालय द्वारा आदेशित किया गया है कि किसी भी मरीज को उपचार के लिए भर्ती किए जाने, उसे जीवन रक्षक दवाइयां, ऑक्सीजन उपलब्ध करवाए जाने से इनकार नहीं किया जा सकता। बावजूद एडवोकेट डागर को न तो भर्ती किया गया और न ही उपचार किया गया।

एडवोकेट भट्ट के अनुसार जिला न्यायालय ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156 (3) के प्रावधान अनुसार मामले में अनुसंधान किए जाने की अवश्यकता जताई। इसके लिए एसपी रतलाम को आदेशित किया गया है। पुलिस को अनुसंधान के बाद 25 मई को प्रतिवेदन न्यायालय में प्रस्तुत करने को कहा गया है।

कोरोना योद्धा नहीं तो काम नहीं, सचिव व सहायक सचिव हड़ताल पर

माही की गूंज, भानपुरा (मदंसौर)।

प्रदेश एवं मंदसौर जिला सचिव व सहायक सचिव संगठन के आदेश पर ब्लॉक भानपुरा के सभी ग्राम पंचायत सचिव एवं सहायक सचिव हड़ताल पर चले गए हैं। ग्राम पंचायत सचिव संघ के भानपुरा ब्लॉक अध्यक्ष सत्यनारायण रावत ने बताया कि, कोरोना महामारी के चलते धरातल पर पंचायत सचिव, सहायक सचिव एवं ग्रामीण विकास विभाग का अमला पूरी मुस्तैदी से कोरोना महामारी में अपने दायित्व को बेहतर ढंग से निभाने में लगा हुआ है। वहीं पूरे प्रदेश में लगभग 50 ग्राम पंचायत सचिवों व सहायक सचिवों की कोरोना महामारी से दुःखद मौत हो चुकी है। शासन के आदेश पर 26 अप्रैल तक प्रदेश के 10 से 12 कलेक्टर द्वारा दिए गए आदेश को निरस्त कर दिया गया एवं भोपाल स्तर पर वीसी में दिए गए निर्देशों के बावजूद शासन-प्रशासन, ग्राम पंचायत सचिव एवं सहायक सचिवों व अन्य पंचायत ग्रामीण अमले को कोरोना योद्धा घोषित करने से बच रहा है। वंही केवल व्हाट्सएप पर ड्यूटी लगा दी जाती है। जबकि प्रदेश स्तर पर ग्राम पंचायत सचिव एवं सहायक सचिव संगठन द्वारा मांग की गई थी कि, ड्यूटी प्रशासनिक स्तर पर क्षेत्रीय एसडीएम द्वारा लगवाई जाए एवं सभी ग्राम पंचायत सचिव, सहायक सचिवों व ग्रामीण विकास विभाग के अमले को कोरोना योद्धा घोषित किया जाए।

श्री रावत ने बताया कि, मंदसौर जिले में 440 एवं ब्लॉक भानपुरा में 88 ग्राम पंचायत सचिव एवं सहायक सचिव व अन्य अमला दायित्व संभाल रहा है जिसे कोरोना योद्धा घोषित नहीं किए जाने पर हमारी पुरानी मांग को देखते हुए 10 मई से सभी हड़ताल पर चले गए हैं। हमारी मांगों को नहीं मांने जाने पर शासन-प्रशासन जिम्मेदार होगा। भानपुरा ब्लॉक सचिव संघ अध्यक्ष सत्यनारायण रावत, सहायक सचिव ब्लॉक अध्यक्ष प्रमोद पाटीदार, रतनलाल अंतरिया, सुरेंद्र पाटीदार, रमेश मेघवाल, सौदान मेघवाल, विनोद कुमार गोस्वामी, अर्जुन मीणा सहित ग्राम पंचायत सचिव व सहायक सचिवों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन जिला कलेक्टर मंदसौर के नाम जनपद पंचायत भानपुरा मुख्य कार्यपालन अधिकारी की अनुपस्थिति में उनके अधीनस्थ अधिकारी व संहयोगी बालाराम कछावा को जनपद पंचायत भानपुरा भवन में सौंपा।

शिकायत मिलने पर किया सील, विरोध के बाद खोला क्लीनिक

माही की गूंज, दलौदा (मंदसौर)।

प्रशासन व पुलिस की संयुक्त टीम ने दलौदा में सुश्रत क्लीनिक का आकस्मिक निरीक्षण किया और वहां प्रशासन के आदेश के बाद भी क्लीनिक का संचालन होने पर क्लीनक को बंद करवाकर सील कर दिया गया, वहीं मौजूद मरीजों व उनके साथ आए स्वजनों और अन्य लोगों ने इस कार्रवाई का विरोध किया। कुछ लोगों ने कलेक्टर मनोज पुष्प को भी फोन लगाकर उक्त मामले में विरोध जताया। इसका असर यह हुआ कि, कुछ समय पहले जो अधिकारी इस दवाखाने को गैरकानूनी बताकर सील कर गए थे, बाद में आकर उसे खोल दिया गया।

मिली जानकारी अनुसार रविवार को दलौदा तहसीलदार संजय मालवीय व धुंधड़का बीएमओ डॉ. सतीश गौड़ सहित प्रशासन व पुलिस की टीम ने सुश्रुत क्लीनिक पर पहुंचकर आकस्मिक निरीक्षण किया। यहां मौजूद डॉ. सुरेंद्र जैन व उनके पुत्र डॉ. निलेश जैन एलोपैथी पद्धति से उपचार करते मिले, जबकि उनके पास एमबीबीएस की डिग्री नहीं है। कोविड-19 के सुरक्षा उपायों के बिना ही मरीजों की भीड़ लगी देखकर क्लीनिक सील कर दिया। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्लीनिक पर उपचार करा रहे मरीज व उनके स्वजनों के साथ ही दलौदा के प्रभावशालियों ने भी विरोध किया। मरीजों व स्वजनों का कहना था कि, कोरोना महामारी के चलते हमें कही भी इलाज नहीं मिल रहा है, जिला चिकित्सालय जाते हैं तो वहां पर बेड खाली नहीं है, चिकित्सक पर्याप्त नहीं है दवाईयां और आक्सीजन की कमी हो रही है। बड़े निजी अस्पतालों में लूट-खसौट चल रही है। गरीब आदमी यहां आकर इलाज करा रहे हैं तो आपको क्या परेशानी है। लोगों ने कहा कि, डॉ. सुरेंद्र जैन का तो सम्मान करना चाहिए जो हर समय अपनी सेवाएं दे रहे हैं, दिन हो या रात मरीजों को प्राथमिक उपचार मिल जाता है। अगर इस क्लीनिक की सील नहीं खोलते हैं तो सभी क्लीनिक बंद कराओ। किसी भी प्रकार की कोई जनहानि होती है या घटना घटती होती है तो उसका जवाबदार प्रशासन रहेगा। थोड़ी ही देर में काफी भीड़ एकत्र हो गई, चिकित्सनक के पक्ष में ग्राम प्रधान विपिन जैन भी आ गए। कुछ लोगों ने कलेक्टर मनोज पुष्प से भी चर्चा की। भीड़ के आक्रोश को देख प्रशासनिक अधिकारियों ने भी कलेक्टर को मामला बताया।

डॉ. सुरेंद्र जैन ने बताया कि, हम एलापैथी चिकित्सक डॉ. ललिता जैन के मार्गदर्शन में ही उपचार कर रहे हैं। आवश्यक सर्टिफिक्रेट देख तहसीलदार ने दवाखाने की सील खोल दी। कार्रवाई के दौरान मंदसौर ग्रामीण एसडीओपी सौरभ कुमार, धुंधड़का बीएमओ सतीश गौड़, पटवारी विकास राठौर, दलौदा थाना प्रभारी अमित कुशवाह भी मौके पर पहुंचे। यहां आमजन को समझाइश भी दी कि, दो गज की दूरी का पालन करे, भीड़ एकत्र नहीं करें।

तहसीलदार संजय मालवीय ने बताया कि, काफी समय से शिकायत मिल रही थी कि, डॉ. सुरेंद्र जैन द्वारा भीड़ लगाकर कोरोना संक्रमितों का उपचार किया जा रहा है। इसको लेकर ही कार्रवाई करने गए थे। क्लीनिक सील करने के बाद आवश्यक कागजात देखकर खोल दी।

18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगो का वेक्सीनेश शुरू, ग्रामीण इलाकों के युवा दिखा रहे रुचि

माही की गूंज, पेटलावद।

पूरे देश में 18 वर्ष से अधिक आयु वाले युवाओं को कोरोना का पहला डोज लगना शुरू हो गया है। बरवेट के कई युवाओं ने अपने मोबाइल से रजिस्ट्रेशन करवाया है, जिन्हें कोरोना का पहला डोज लगना प्रारम्भ हो गए है। बरवेट के रजिस्टर्ड युवा वेक्सीन सेंटर पर जाकर वेक्सीन लगवा रहे है। ग्रामीण युवाओं में वैक्सीन लगवाने के प्रति काफी उत्साह नजर आया।

सदर बाजार बरवेट के जगदीश प्रजापत ने बताया कि, उन्होंने वैक्सीन का पहला डोज लगवा लिया है और उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने सभी 18 वर्ष से अधिक आयु वाले युवाओं से अपील की है कि, वो भी वैक्सीन लगवाए। खास तौर पर ग्रामीण क्षेत्र में वेक्सीन लगवाने को लेकर सही जानकारी देकर उत्साहित करे। कई युवाओ के पंजीयन नहीं होने के कारण बिना वैक्सीन लगाए लौटना पडा। युवाओं ने बताया कि, टीकाकरण बूथ पर पंजीयन नहीं होने के कारण उन्हें बिना वैक्सीन लगाए लौटना पडा।

अपनों के लिए अपना कोविड केयर सेंटर में मदद का सिलसिला लगातार जारी

माही की गूंज, शुजालपुर।

कोरोना मरीजो को उपचार देने के लिए जनसहयोग से संचालित हो रहे 150 बेड वाले शुजालपुर के ''अपनों के लिए अपना कोविड केयर सेंटर'' में अशोकनगर से दान की गई एम्बुलेंस ने सोमवार से सेवा देना शुरू कर दी। उज्जैन व शुजालपुर के दानदाताओ ने इस एम्बुलेंस के ईंधन के लिए सहयोग जुटाया है। राठी मोटर्स शुजालपुर ने भी एक रिकवरी वैन स्वस्थ्य हुए लोगो को घर छोड़ने हेतु भेंट की है।

सरकारी अस्पताल से कोविड केयर सेंटर जाने या अन्यत्र जगह मरीजों को जांच के लिए ले जाने हेतु एंबुलेंस की कमी होने से परेशानी आ रही थी। परिवहन साधन बंद होने से मरीज के परिजन परेशान होते देख अशोकनगर में चिकित्सक व शुजालपुर के मूल निवासी डॉ. अशोक कयाल ने अपनी एक एम्बुलेंस स्थाई रूप से शुजालपुर को सौंपी है। इस एंबुलेंस में वाहन चालक के साथ ईंधन की व्यवस्था के लिए निःशुल्क रोगी सेवा ''हेल्प फॉर यू'' के सहयोगी शुजालपुर निवासी श्रीमति दीपाली पति राजूल श्रीवास्तव ने 15 हजार, शुजालपुर निवासी प्रमोद जैन व उज्जैन निवासी प्रतीक फागनिया ने 5-5 हजार रूपए की राशि ईंधन व संचालन सहयोग में उपलब्ध कराई है। इसके अलावा कोविड सेंटर व सरकारी अस्पताल से डिस्चार्ज होने वाले मरीजों को आस-पास गांव या घर तक जाने के लिए ऑटो व अन्य साधन न मिलने से हो रही परेशानी को देखते हुए राठी मोटर्स परिवार ने एक रिकवरी वैन उपलब्ध कराई है। यह वेन स्वस्थ हुए मरीजों को उनके घर तक छोड़ने का काम करेगी। इस वाहन पर भी ईधन व वाहन चालक की व्यवस्था ''हेल्प फार यू'' द्वारा की गई है। महामारी व आपदा में लोगों के सहयोग से ही शुजालपुर का रिकवरी रेट में सबसे आगे है।

शुजालपुर निवासी हा. मु यूएसए श्रीमती दीपाली ने बताया कि, पति राजूल श्रीवास्तव सॉफ्टवेयर कंपनी में कार्यरत है और सोशल मीडिया के माध्यम से शुजालपुर में कोरोना मरीजों की सेवा देख एंबुलेंस में ईंधन के लिए सहयोग भेजा है। शुजालपुर निवासी प्रमोद जैन व उज्जैन निवासी प्रतीक फागणिया ने भी बताया कि, वह आगे भी नियमित सहयोग के लिए तत्पर है।

अपनो के लिए अपना कोविड केयर सेंटर से अब तक 443 मरीजो को इलाज के लिए भर्ती किया गया, 329 डिस्चार्ज होकर घर जा चुके है। 30 रेफर किए गए व 50 अब भी उपचाररत है।

न्यूज ब्रीफ

किसानों की सुविधा के लिए स्थापित हुआ कन्ट्रोल रूम

माही की गूंज, बड़वानी। जिले में प्रारंभ हुए खरीफसीजन के मददेनजर कृषि विभाग ने कन्ट्रोल रूम की स्थापना की है। यह कन्ट्रोल रूम कार्यालयीन अवधि में संचालित होगा। इस कन्ट्रोल रूम के नम्बर पर प्रातः 10 से सायं 6 बजे तक किसान अपनी समस्या दर्ज करवा सकता है।

उपसंचालक कृषि केएस खपेड़िया ने भी किसानो से आव्हान किया है कि, जिन किसानो के पास सिंचाई के साधन है। वे अग्रिम रूप से कपास की बुआई कर रहे है, इसके लिए कुछ अनाधिकृत लोग गुजरात से कपास का बीज लाकर उसे बीजी-4 एवं बीजी-5 कहकर किसानो को बेच रहे है। यह किस्मे अधिकृत नहीं है और न ही शासन द्वारा इन्हें मान्यता दी गई है। अतः किसान भाई इन कपास के बीजों को न खरीदे और अगर कही पर इनका विक्रय हो रहा है तो उसकी सूचना तत्काल कन्ट्रोल रूम के नम्बर पर दे। जिससे दोषियों पर कठौर कार्रवाई की जा सके। उन्होने बताया कि, सूचना देने वाले का नाम सर्वथा गोपनीय रखा जाएगा।

साथ ही उन्होने किसानों से अनुरोध किया कि, वे कृषि आदान का बीज लायसेंस धारी अधिकृत विक्रेताओं से ही खरीदे। साथ ही उसका पक्का बिल प्राप्त करें, जिससे बीज का नाम, किस्म, लॉट नम्बर अनिवार्य रूप से अंकित हो।

खरगोन के लिए स्वीकृत है मेडिकल कॉलेज, बड़वानी के लिए भेजा प्रस्ताव

माही की गूंज, खरगोन। सांसद गजेंद्र पटेल ने बुधवार को स्थानीय सर्किट हाउस में कोरोना संक्रमण की तैयारी व मेडिकल कॉलेज को लेकर प्रेसवार्ता की। प्रेसवार्ता के दौरान सांसद श्री पटेल ने कहा कि, खरगोन जिले के लिए मेडिकल कॉलेज पूर्व से ही स्वीकृत है, जो खरगोन जिले में ही बनाया जाएगा। बड़वानी जिले के लिए पृथक से प्रस्ताव भेजा गया है, बड़वानी के लिए मेडिकल कॉलेज स्वीकृत नही हुआ है। सांसद कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार खरगोन जिले में स्वीकृत हुए मेडिकल कॉलेज के लिए दिल्ली से टीम आकर मेडिकल कॉलेज के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं, सुविधाएं और कई तरह के पैमाने देखेगी। उसके बाद ही स्थान चयन पर निर्णय होगा। टीकाकरण में प्रगति को लेकर सांसद श्री पटेल ने कहा कि, प्रत्येक गांव स्तर के साथ-साथ वार्ड स्तर पर भी संकट प्रबंधन समुह बनाने के आदेश जारी कर दिए गए है। इसी के मुताबिक संकट प्रबंधन समुह वैक्सिनेशन और जन जागरूकता को लेकर प्रभावी कार्य करेगा। इस समुह का दायित्व यह होगा कि गांव के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में भी टीकाकरण तेज गति से हो, इस पर पूरी निगरानी रखते हुए न सिर्फ टीकाकरण में सहयोग करेगा, बल्कि संक्रमण को बचाने के लिए भी अपना योगदान देगा। प्रेसवार्ता के दौरान पूर्व नपा अध्यक्ष विपिन गौर व समाजसेवी कल्याण अग्रवाल उपस्थित रहे।

बिना पात्रता पर्ची वाले भी ले सकेंगे तीन माह का निःशुल्क राशन

माही की गूंज, खरगोन। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री बिसाहूलाल सिंह ने बताया कि, कोविड-19 संक्रमण के कारण लॉकडाउन अवधि में गरीब परिवारों को खाद्य सुरक्षा दी जाना सुनिश्चित किया गया है। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के निर्देशानुसार इस संबंध में आदेश जारी कर ऐसे गरीब पात्र परिवार जिनके पास पात्रता पर्ची नहीं है, तीन माह का राशन निःशुल्क प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए अस्थाई पात्रता पर्ची जारी की जाएगी। खाद्य प्रमुख सचिव फैज अहमद किदवई ने बताया कि, राट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एनएफएसए के अंतर्गत पात्रता पर्ची के लिए 24 श्रेणी निर्धारित की गई हैं। हितग्राहियों के सत्यापन पश्चात 3 माह के लिए अस्थाई पात्रता पर्ची जारी की जाएगी। ऐसे पात्र हितग्राही जो अस्थाई पर्ची बनवाना चाहते हैं, संबंधित दस्तावेज नहीं होने संबंधी अपना आवेदन निर्धारित प्रारूप में सह घोषणा-पत्र सहित स्थानीय निकाय में प्रस्तुत करें। आवेदन का विवरण निकाय कार्यालय में पंजीबद्ध कर उसकी प्रतियां पंचायत एवं वार्ड कार्यालय में उपलब्ध रहेंगी। श्री किदवई ने बताया कि, अस्थाई पर्ची के लिए परिवार की समग्र आईडी जरूरी होगी। जिन हितग्राहियों की समग्र आईडी नहीं होगी उनकी आईडी भी स्थानीय निकाय द्वारा अतिशीघ्र बनाई जाएगी।

पांचवी फेल सेल्समैन नन्नू जैन नहीं करवा रहा कोविड का पालन

अनपढ़ नन्नू जैन को पीओएस मशीन में अंग्रेजी में लिखे नाम तक नहीं आते हैं पढ़ते, कई बार एक-दूसरे के लगवा लेता है अंगूठे

माही की गूंज, खवासा/भामल। विजय पाटीदार

हमारी सरकारी व प्रशासनिक व्यवस्था कितनी लचर व मनमानी अनुरूप है यह पता इससे लगाया जा सकता है कि, आज की तारीख में एक चपरासी जिसे सिर्फ कार्यालय में झाड़ू-पोछे या सिर्फ पानी पिलाने का कार्य करना होता है की नौकरी लगने हेतु, पढ़ा-लिखा होना आवश्यक है और उसमें भी परीक्षा होकर मेरिट के आधार पर चपरासी तक का चयन किया जाता है। परंतु भामल की आ.जा.सह. संस्था में पदस्थ नन्नू जैन जोकि वर्तमान में भामल से हटाकर परवाड़ा और मकोडिया सहकारी संस्था की दुकान में सेल्समैन है, जो मात्र पांचवी पढ़ा लिखा है बताया जाता है, जो पीओएस मशीन में निकलने वाली स्लिप में अंग्रेजी में लिखे नाम को भी नहीं पढ़ सकता है वह खाद्यान्न वितरण करने का अहम कार्य कर अपनी वाचाल बोली से खाद्यान्न लेने आने वाले पर रोब झाड़कर हर बार सरवर खराब होने का झांसा देकर घंटों तक उपभोक्ता को लाइन में लगे रहने के बाद खाद्यान्न मिलता है। कई बार घंटों लाइन में लगने के बाद नन्नू जैन के अनपढ़ होने के कारण खाद्यान्न नहीं मिल पाता है तो फिर दूसरे दिन या फिर एक सप्ताह बाद फिर से लाइन में लग खाद्यान्न हेतु मशक्कत करना पड़ती है।

बता दें कि, सप्ताह में दो-दो दिन ही नन्नू जैन खाद्यान्न वितरित करता है, नन्नू जैन पांचवी पढ़ा लिखा होने के कारण समग्र आईडी से पीओएस मशीन में स्लिप तो निकाल लेता है लेकिन कई बार एक ही शब्द से कई नाम आने पर स्लिप में अंग्रेजी में नाम नहीं पढ़ पाने के कारण जैसे कि, सकरिया के स्थान पर सुकलिया के नाम का अंगूठा लगवा लेता है। इसी कारण लोगों को बार-बार सरवर खराब होने का कह कर अपनी कमजोरी को छुपाकर घंटों देरी कर उपभोक्ताओं को खाद्यान्न दिया जाता है।

कोरोना संक्रमण के बचाव के लिए भी अनपढ़ नन्नू जैन ने कोई व्यवस्था नहीं की

सोमवार को परवाड़ा संस्था की दुकान खाद्यान्न देने हेतु नंदू जैन ने खोली लेकिन खाद्यान्न लेने वाले उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की कोई समझाइश मास्क पहनने व सामाजिक दूरी रखने की नहीं दी, न हीं संस्था की दुकान में स्वयं ने सैनिटाइजर आदि की कोई व्यवस्था की। नतीजन सभी उपभोक्ता खासकर महिलाएं भी मास्क नहीं पहनने के साथ ही सामाजिक दूरी का उल्लंघन कर खाद्यान्न लेने हेतु चिपक-चिपक कर लाइन में लगे रहे व चिपक कर बैठी रही और नंन्नु जैन अपने अनपढ़ता के कारण बार-बार सरवर खराब होने का हवाला देकर उपभोक्ता को खाद्यान्न लेने हेतु घंटों तक हमेशा की तरह बैठे रहना पड़ा, तो कुछ को बिना खाद्यान्न के ही दुकान बंद होने पर खाली हाथ जाना पड़ा। वही नन्नू जैन ने सोमवार को एक ही दिन दुकान खोलकर अपने कार्य की इतिश्री कर ली और मंगलवार को दुकान ही नहीं खोली।

दुकान में कुल कितने कूपन धारी व कितने बीपीएल धारी है का भी पता नहीं नन्नू जैन को

पांचवी फेल नन्नू जैन से परवाड़ा दुकान के अंतर्गत कुल कितने कूपनधारी हैं और उसमें कितने बीपीएल व अंत्योदय उपभोक्ता है कि जानकारी मांगी, तो नन्नू जैन ने अपने अनपढ़ होने का सबूत देते हुए कहा, मैं अभी परवाड़ा दुकान पर पदस्थ हूं यह सही है, लेकिन मुझे नहीं मालूम कि कुल कितने कूपनधारी यहां हैं और कितने बीपीएल व अंत्योदय के उपभोक्ता हैं, पूर्व में पदस्थ सेल्समैन से पूछ लो। के साथ भ्रष्ट सेल्समैन जानकारी मांगने वाले पत्रकार को भी अपनी तरह भ्रष्ट मानकर उसकी नाकामी व भ्रष्टाचार को कभी भी समाचार पत्र में प्रकाशित न हो कि नियत से कहने लगा कि, आप जब-जब कहोगे तुम्हारी सेवा कर देंगे पर किसी प्रकार का कोई समाचार प्रकाशित मत करना।

पति की लापरवाही में पत्नी का मिला सहारा

माही की गूंज, खरगोन।

जरा सी लापरवाही कभी भी बड़ी मुसीबत बनकर आ खड़ी होती है। ऐसी ही जरा सी लापरवाही से काटकुट हायर सेकेंडरी स्कूल के अध्यापक जयराम कास्डे पर मुसीबत आ पड़ी। 21 अप्रैल को जयराम को हल्की खांसी आने पर दो दिनों तक नजर अंदाज करते रहे। उनकी खांसी को पत्नी रजनी ने समय पर समझा और उपचार के लिए उन्हें अस्पताल तक लेकर गई। चुंकि पत्नी रजनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेश्वर में प्रयोगशाला तकनीशियन भी है, तो उन्होंने महेश्वर के ही अस्पताल में दिखाकर सामान्य उपचार लिया, लेकिन अगले ही दिन बुखार आने पर एक निजी अस्पताल में भी उपचार के लिए लेकर गई। यहां पर भी स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर डॉ. बीएल लछेटा की सलाह पर सीसी सेंटर में 24 अप्रैल को भर्ती करा दिया। क्योंकि उन्हें सांस लेने में तकलीफ ज्यादा होने लगी थी। इसके बाद डॉक्टरों ने लगातार 14 दिनों तक सीसी सेंटर में पत्नी की निगरानी और डॉक्टरों के उपचार के बीच 6 रेमडेसिविर के इंजेक्शन लगाने के बाद उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ। आखिरकार 17 दिनों तक चले उपचार के बाद 11 मई को स्वस्थ होकर घर लौट आएं। जयराम ने बताया कि, उन्होंने हल्की खांसी व बुखार को नजर अंदाज कर परेशानी मोल ले ली थी, लेकिन समय पर उपचार मिलने से अब स्वस्थ है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि, वे ऐसी लापरवाही न करें। डॉक्टरों पर विश्वास कर नियमित उपचार ले, तो कोरोना को हराया जा सकता है।

शुगर वाले व्यक्ति ने दी कोरोना को मात

बुधवार को ऊन स्थित सीसी सेंटर से दो मरीजों को स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। डिस्चार्ज किए गए मरीजों में ग्राम छोटी ऊन निवासी 56 वर्षीय बाबुलाल पिता रामलाल है। बाबुलाल डायबिटिक है एवं कोरोना के इलाज दौरान ही दिनांक 8 मई को शुगर लेवल 556 होने से अचानक ही उनकी तबियत ज्यादा खराब हो गई, लेकिन सीसी सेंटर में डॉ. पीयूष पाटीदार एवं डॉ. मोहित गुप्ता ने खरगोन न भेजकर पीएचसी ऊन पर ही त्वरित निर्णय लेकर इलाज शुरू किया। पूर्णतः स्वस्थ्य होने के बाद आज वे घर लौटे। दोनों मरीजों को पौधा भेंटकर घर की ओर रवाना किया।

हमारा वार्ड कोरोना मुक्त अभियान हुआ शुरु

माही की गूंज, मेघनगर।

नगर परिषद ने मेघनगर के वार्ड क्रमांक 1, वार्ड क्रमांक 2 व वार्ड क्रमांक 3 से कोरोना मुक्त वार्ड की शुरुआत की। इस दौरान एसडीएम लक्ष्मीनारायण गर्ग, सीएमओ विकास डाबर ने वार्ड में जाकर बैठक रखी, जिसमें हर वार्डवासी को कोरना के प्रति समझाइश दी गई और लोगों को जागरूक रहने के लिए कहा गया। सीएमओ विकास डाबर ने भी लोगों से निवेदन किया एवं लोगों से संकल्प पत्र भी भरवाए व कोरोना के प्रति जागरूक एवं वार्ड में सुरक्षा के लिए भी कहा। लोगों से अपील की गई कि, सामाजिक, धार्मिक कोई भी ऐसा कार्य वार्ड में नहीं करें जिससे भिड़ एकत्र हो और ऐसे कार्य करने वालों को रोके। वार्ड में बिना मास्क के घूमने वालों को समझाईश देंगे एवं मास्क पहनने के लिए प्रेरित करेंगे। एसडीएम गर्ग ने कहां कि, वार्ड में हर एक व्यक्ति को वैक्सीन लगाने के लिए समझाएंगे एवं प्रेरित करे, वार्ड में 10 लोगों की टीम बनाकर के वार्ड की हर समस्या को समझकर हल करे, वार्ड की स्थिति को देखते हुए वार्ड में दवाइयों की सुविधा करवाएंगे। मेरा वार्ड कोरोना मुक्त वार्ड के संकल्पों को पूरा करेंगे। मेरा वार्ड, मेरा मास्क, मेरी सुरक्षा एवं मेरे वार्ड को नगर की सुरक्षा में ही सभी की भलाई और हमारी जिम्मेदारी है, इस प्रकार से हर वार्ड में लोगों को समझाइश दी गई।

प्रभारी मंत्री व सांसद ने 5 ऑक्सीजन कन्संट्रेटर प्रदान किए

माही की गूंज, अलीराजपुर। प्रदेश के ओद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव, सांसद गुमानसिंह डामोर ने जिला अस्पताल अलीराजपुर हेतु 5 अक्सीजन कन्संट्रेटर प्रदान किए। उक्त ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेट मिलने से जिला चिकित्सालय के स्वास्थ्य संसाधनों में वृद्धि हुई। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती सुरभि गुप्ता, पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन, अपर कलेक्टर सुरेशचंद्र वर्मा, पूर्व विधायक माधोसिंह डावर, भाजपा जिलाध्यक्ष वकीलसिह ठकराला सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

गूंज असरः अस्थाई रूप से पेयजल समस्या को दुर करने के लिए नदी में खुदवाए गड्डे

माही की गूंज, कुंदनपुर। कृष्णपाल सिंह ठाकुर

कुंदनपुर के भांडाखेड़ा में जल संकट की समस्या को लेकर एसडीएम व तहसीलदार द्वारा मोका मुआयना कर अस्थाई रूप से पेयजल की समस्या का समाधान करने का प्रयास किया। बता दे कि, माही की गूंज न्युज पोर्टल पर क्षेत्र में नाहरपुरा जल परीयोजना के तहत शिवराज सरकार व कमलनाथ सरकार द्वारा 7 व 4 करोड रूपए की मंजुरी के बाद भी योजनाए शुरू नही हो पाई का समाचार प्रमुखता के साथ 9 मई को प्रकाशित किया था। जिसके बाद बुधवार को मोका मुआइना करने अधिकारी पहुंचे। जिस तरह से ग्राम पंचायत भांडाखेड़ा और आस-पास के कई गांवों के लोग जिस तरह पेयजल समस्या को लेकर वर्षों से परेशान है पर समय के पुर्व उसका कोई समाधान नही किया गया। फिलहाल माही की गूंज के समाचार प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने हरकत में आकर जेसीबी की मदद से नदी में गड्ढे खुदवाकर गहरा करवाया गया, जिससे कि पानी की समस्या को कुछ हद तक कम किया जा सके।

कैबिनेट मंत्री पहुंचे दुर्गम क्षेत्र के ग्रामो में

माही की गूंज, बड़वानी। प्रदेश के कैबिनेट एवं जिले के कोरोना प्रभारी मंत्री प्रेमसिंह पटेल बुधवार को जिले के सबसे दुर्गम क्षेत्र के सिंधवानी, बोरकुण्ड, रोसर, हरला, गुड़ी, लिम्बी, बमनाली पहुंचकर ग्रामीणों को कोरोना के मद्देनजर सोशल डिस्टेंस एवं मास्क लगाने से होने वाले लाभ से अवगत कराया। वही ग्रामीणों को बताया कि, कोरोना वैक्सीन लगवाने से ही हम इस महामारी से अपना बचाव कर सकते है।

भ्रष्ट सेल्समैन पति सांठ-गांठ के साथ मुफ्त में गरिबों को दिए जाने वाले खाद्यान्न की कर रहा वसुली

फूड इंस्पेक्टर से लेकर आला अधिकारी मिडिया में मामला आने के बाद लिपापोती का कर रहे कार्य

भ्रष्ट व सेटिंगबाज सेल्समेन पति बाबुलाल

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

एक तरफ शासन गरीबो की हर तरफमदद कर रही है तो दूसरी तरफ सेल्समैन पति फूड अधिकारी मनोज शर्मा, मनोज कुमार शुक्ला से मिलकर मुफ्त में मिलने वाला राशन का भी लोगो से पैसा वसूल रहा है। एक तरफ पूरा देश इस महामारी से जूझ रहा है तो इस विकट घडी में जहां कई लोगो द्वारा हर तरह की मदद की जा रही है, वही दुसरी ओर लक्ष्मी के पुजारी भ्रष्ट व लालची बाबुलाल मुफ्त खाद्यान्न का भी रूपया लेकर अपनी भ्रष्ट रूपी औकाद दिखाने में पिछे नही है। सूत्रों की माने तो फूड अधिकारी की मिलीभगत से ये हर महीने राशन की कालाबाजारी करता है, कुछ माह पहले भी इस लालची व भ्रष्ट का राशन से भरा ऑटो अकोदिया नाके पर अधिकारियों द्वारा पकड़ा गया था, मगर उच्च अधिकारियों द्वारा इस पर लीपापोती कर दी थी, तो वही उसे फिर से गरीबो के राशन की कालाबाजारी करने के लिए छोड़ दिया गया। अधिकारियों की इस तरह की कार्रवाई चर्चा का विषय बनी हुई है।

इस संबध में फूड अधिकारी मनोज शर्मा से चर्चा की गई तो कहा, लोगो को बोल दिया गया है कि जिन-जिन से भी पैसे लिए गए है उन्हें वह रूपया वापस दिलवा देंगे।

पर साहब के उक्त व्यक्तत्व से यह स्पष्ट होता है कि भ्रष्टो ने गरिबो से पैसा वसुला लेकिन साहब कार्रवाई करने की बजाए सफाई देते हुए कह रहे है लिया गया पैसा वापस दिलवा देंगे, कहकर अपनी पुरी कार्य की इतिश्री कर रहे है, जिसे जिला कलेक्टर भी नजरअंदाज कर खाद्यान्न की कालाबाजारी को बढ़ावा दे रहे है।

जब इस विषय पर तहसीलदार से चर्चा की गई तो उन्होंने तुरंत कुछ ही देरी में फूड अधिकारी को भेजा। मगर फूड साहब ने वहां पर भी लीपापोती कर दी तथा पंचनामा की कॉपी का फोटो लेना चाहा तो साहब ने मना कर दिया।

इस संबध में गणमान्य नागरीक विनोद गोस्वामी रानोगंज ने बताया,

सेल्समैन पति बाबूलाल मालवीय आम गरीब लोगों को परेशान करता है, जनवरी माह का राशन भी लोगों को वितरण नही किया, पात्र लोगो से कहा गया कि राशन खराब आया है कहकर रवाना कर दिया। जब फरवरी में लोगो द्वारा राशन मांगा गया तो सेल्समैन पति द्वारा कहा गया कि, अभी आया नही जब आएगा तब देंगे। सेल्समैन पति द्वारा खराब राशन को मार्च माह में मिक्स करके लोगो को दे दिया गया।

दूर्गा प्रशाद जाटव खेड़ीनगर कालोनी ने बताया कि, मेरे पास पात्रता पर्ची है जिसके बावजूद भी मुझे सेल्समैन पति बाबूलाल मालवीय ने

राशन नही दिया, व मुझसे एक हजार रुपए की मांग और बोला कि, आपकी पात्रता पर्ची में कुछ मिस्टेक है आप मुझे एक हजार रुपए दे दो मैं सही करवा दूंगा।

मनीष जाटव खेडीनगर कालोनी ने बताया कि, शासन द्वारा गरीबो के लिए मुफ्त 3 माह का राशन दिया गया था जिसमे सेल्समैन पति द्वारा एक माह का पैसे लेकर दिया गया।

कोरोना जांच व मेडिकल किट वितरण केम्प का आयोजन

माही की गूंज, थांदला रोड़।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर के आदेशानुसार पंचायत स्तरीय कोरोना जांच एवं मेडिकल किट वितरण का आयोजन किया जा रहा है। उसी के तहत ग्राम पंचायत भवन नौगांवा पर भी केम्प का आयोजन हुआ। ग्राम पंचायतों में कोरोना के पॉजिटिव केस अधिक पाए जाने से कोरोना रोकथाम हेतु पंचायत स्तरीय कोरोना जांच एवं मेडिकल किट वितरण हेतु केम्प का आयोजन किया गया। केम्प में 21 लोगों की आरटीपीसीआर जांच की गई व उन्हें मेडिकल किट वितरित की गई, साथ ही सभी को समझाइस दी गई कि, वह मास्क का उपयोग करें व हाथों को सैनेटाइजर या साबुन से धोते रहे और अनावश्यक कार्य से बाहर न निकले व लोगों से दूरी बनाए रखें, ताकि कोरोना की इस बढ़ती चेन को तोड़ा जा सके। केम्प में स्वास्थ्य विभाग से डॉक्टर प्रहलाद कटारा, लैब टेक्नीशियन पासवा सोलंकी, बसंत मोरी, आशा सहयोगिनी अनीता पाल, आशा कार्यकर्ता नर्मदा परमार, आशा पाल व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ज्योत्सना दीक्षित आदि उपस्थित थे।

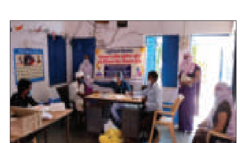

कार-डंफर की भिड़ंत में तीन की मौत

माही की गूंज, मंदसौर।

ग्राम सूंठोद के पास महू-नीमच राजमार्ग पर हुए सड़क हादसे में तीन चचेरे भाइयों की मौत हो गई। तीनों कार से अपने चाचा के लिए छोटी सादड़ी से आक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था कर लौट रहे थे, तभी सामने से गलत दिशा में आ रहे डंफर चालक ने कार को टक्कर मार दी। कार में फंसे तीनों के शव बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

मिली जानकारी अनुसार सोमवार रात महू-नीमच राजमार्ग पर सूंठोद के पास एक ढाबे के सामने कार एमपी 9 सीएक्स 4771 को गलत दिशा में आ रहे डंफर चालक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि, डंफर कार में काफी अंदर तक घुस गया, डंफर की कमानी भी टूट गई। कार सवार तालिब पिता यूसुफ मंसूरी (25), रिजवान पिता अब्दुल रशीद मंसूरी (35) व फज्जल पिता जफर मंसूरी सभी निवासी मंदसौर की मौत हो गई। थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार यादव सहित पुलिस बल व ग्रामीणों ने लगभग डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद कार से शव बाहर निकाले, पिकअप की सहायता से फंसी हुई कार को बाहर निकाला जा सका। सुबह शवों का पिएम होने के बाद परिजनों को सौंपे गए। पुलिस ने डंफर चालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जब्त किया है।

ऑक्सीजन सिलिंडर की व्यवस्था करने छोटी सादड़ी गए थे

तीनों मृतक कांग्रेस पूर्व पार्षद डॉ. ताज मंसूरी के परिजन हैं। परिजनों ने पुलिस को बताया कि, तीनों छोटी सादड़ी में ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था करने गए थे। मृतक फज्जल मंसूरी दंत चिकित्सक थे, जबकि रिजवान मंसूरी का मेडिकल स्टोर्स है।

टोल एंबुलेंस नहीं रोकी तो चालक को पीटा

दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर भीड़ एकत्र हो गई, इस दौरान वहां से बही टोल की

एंबुलेंस गुजरी। इसे ग्रामीणों ने रोका तो एंबुलेंस चालक ने कहा कि, मैं दूसरे पाइंट पर जा रहा हूं, आगे भी एक एक्सीडेंट हुआ है। घटनास्थल पर लोगों ने कहा कि, पहले इन्हें ले जाओ। एंबुलेंस चालक आगे पाइंट पर जाने की बात कहता रहा तो इस पर आक्रोशित लोगों ने चालक की पिटाई कर दी।

जिला चिकित्सालय को मिले 25 ऑक्सीजन कंन्सन्ट्रेटर

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा लगातार विशेष प्रयास किए जा रहे है। कोविड आइसोलशन वार्ड में भर्ती होने वाले प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को बचाया जाए इसके तहत तकनीकी मेडीकल संसाधनों से कोविड आइसोलशन वार्ड को संसाधन युक्त किया जा रहा है। इसी के तहत जिला चिकित्सालय अलीराजपुर को 25 आक्सीजन कंन्सन्ट्रेटर की उपलब्धता सुनिश्चित कराई गई है। यह ऑक्सीजन कंन्सन्ट्रेटर कई जीवनों को बचाने में उपयोगी सिद्ध हो रहे है। कोविड आइसोलशन वार्ड में ऑक्सीजन कंन्सन्ट्रेटर इन्स्टॉल भी कर दिए गए है।

जिला चिकित्सालय अलीराजपुर सिविल सर्जन डॉ. केसी गुप्ता एवं ऑक्सीजन सप्लाय नोडल अधिकारी डॉ. सचिन पाटीदार ने बताया, 25 आक्सीजन कंन्सन्ट्रेटर जिला चिकित्सालय को प्राप्त हो चुके है। प्रति आक्सीजन कंन्सन्ट्रेटर से 10 लीटर प्रति मिनिट आक्सीजन प्राप्त होगी, जो कि ऑक्सीजन के एक बडे सिलेन्डर के अनुपात में होती है। उक्त कंन्सन्ट्रेटर से नॉन स्टॉप आक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। उन्होंने बताया, कोरोना संकट के दौरान जिला चिकित्सालय अलीराजपुर के कोविड आइसोलेशन सेन्टर को प्राप्त ऑक्सीजन कंन्सन्ट्रेटर कई जीवनों को बचाने में मददगार सिद्ध होंगे।

कलेक्टर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने बताया, हमारे लिए प्रत्येक जीवन अनमोल है। कोरोना संकट से निपटने में उक्त ऑक्सीजन कंन्सन्ट्रेटर उपयोग सिद्ध होंगे।

मैदानी अमला घर-घर पहुंचकर ले रहा स्वास्थ्य संबंधित जानकारी

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिले में किल कोरोना अभियान के माध्यम से कोरोना संक्रमण की चेन को तोडने के तहत कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सुरभि गुप्ता के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देशन में जिलेभर में मैदानी अमला घर-घर पहुंचकर परिवार के सदस्यों की स्वास्थ्य की जानकारी एकत्र कर रहा है। इसी दौरान कोरोना के संभावित लक्षण वाले व्यक्तियों का चिन्हांकन कर उन्हें कोरोना जांच एवं स्वास्थ्य परीक्षण हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस कार्य में आंगनवाडी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा, एएनएम, जीआरएस, चौकीदार सहित अन्य मैदानी लगे हुए है। स्वास्थ्य विभाग का मैदानी अमला आमजन को जागरूक करने के साथ-साथ मेडीकल कीट भी वितरित कर रहा है। कोरोना संभावित लक्षण वाले व्यक्तियों की जांच भी की जा रही है। मैदानी अमला ग्रामीणों को कोरोना संक्रमण से बचाव के उपाय बताते हुए मास्क पहनने, सोशल डिस्टेन्सींग का पालन करने और हाथों को थोडे-थोडे समय में साबुन अथवा सेनेटाइजर से साफकरने हेतु जागरूक कर रहा है। साथ ही ग्रामीणों को सामाजिक, धार्मिक अथवा पारिवारिक कार्यक्रम जिसमें भीड एकत्र हो ऐसे आयोजन स्थगित करने तथा भीड वाले स्थानों पर नहीं जाने के लिए जागरूक कर रहा है। किल कोरोना अभियान के तहत सर्वे, स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ मैदानी स्तर पर अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सघनता के साथ मॉनिटरिंग भी की जा रही है, किल कोरोना अभियान की मॉनिटरिंग हेतु कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

बाहरी व्यक्तियों का ग्राम में प्रवेश न हो इसलिए सड़क पर लिखा संदेश

माही की गूंज, अलीराजपुर।

ग्राम अम्बारी में ग्राम पंचायत सचिव, जीआरएस एवं अन्य अमले के द्वारा ग्राम के प्रवेश मार्ग पर कोरोना के संबंध में जागरूकता संदेश लिखते हुए प्रत्येक आने-जाने वाले को सचेत करने की पहल की है। कोरोना कर्फ्यू का पालन जरूरी है, कोरोना से बचाव हेतु मास्क लगाए तथा कोरोना संक्रमण की चेन को तोडने के मद्देनजर ग्राम में बाहरी व्यक्ति का प्रवेश निषेध है का संदेश लिखकर ग्रामीणों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

लोगों की मदद के लिए आगे आया एक युवा

माही की गूंज, सारंगी।

चिराग खाबिया

एक और जहां पूरी दुनिया के साथ भारत में कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं, वहीं कोरोना संक्रमण से झाबुआ जिला भी अछूता नहीं है। बेसहारा निराश्रित लोगों की सेवा करने का एक यही सही समय है, वहीं ऐसे समय मे सेवा ही मेरा मुख्य उद्देश्य है। उक्त बात सारंगी ग्राम के युवा चिराग पिता अनिल खाबिया जो ग्राम में शारदा मेडिकल का संचालन करते है उन्होने गूंज संवाददाता से चर्चा करते हुए कही। गूंज संवाददाता से चर्चा करते हुए चिराग कहा कि, मैं कोरोना फर्स्ट ऐड (प्राथमिक चिकित्सा) किट ईलाज हेतु जरूरतमंद और असहाय को निःशुल्क दूँगा और साथ ही ऑक्सीजन सिलेंडर, रेमडेसिविर इंजेक्शन, प्लाज्मा व अन्य जरूरी वस्तु को भी उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास करूंगा। यह बात जब ग्राम के लोगों को पता चली लोगों ने इस युवा की दिल से तारीफकी।

चिराग खाबिया ने बताया, अगर किसी को आवश्यकता है तो मुझसे मेरे मोबाइल नबंर पर किसी भी समय संपर्क कर सकते हैं।

संक्रमित परिवार के बच्चों की देखभाल करेगा विभाग

माही की गूंज, झाबुआ।

ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता का निधन कोरोना संक्रमण के कारण हो गया हैं अथवा जिनके माता-पिता व अभिभावक कोरोना संक्रमण से पीड़ित होकर अस्पताल में भर्ती हैं। उनके बच्चों के भरण-पोषण एवं देखभाल की जिम्मेदारी महिला एवं बाल विकास विभाग संभालेगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी व जिला बाल संरक्षण अधिकारी अजय सिंह चौहान ने बताया कि, स्पॉकसरशिपए फास्टबर केयर जैसी योजनाओं के तहत फिट फेसिलिटी में संरक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होने बताया कि, अगर इस प्रकार के बालक/बालिकाए संज्ञान में आते हैं तो जिला कार्यक्रम अधिकारी/जिला बाल संरक्षण अधिकारी कार्यालय परियोजना अधिकारी कार्यालय आंगनवाड़ी केंद्र या फिर चाइल्ड् लाइन के 1098 नंबर पर कॉल कर मदद ली जा सकती हैं। बालकों हेतु अनुसूचित जाति बालक छात्रावास झाबुआ और बालिकाओं हेतु कन्यों शिक्षा परिसर झाबुआ को फिट फेसिलिटी केन्द्र घोषित किया गया हैं। इन केन्द्रों पर ऐसे बालक-बालिकाओं को रखा जाएंगा। इन्हें बाल कल्याण समिति द्वारा मान्यनता दी गई हैं ऐसे बच्चों के लालन-पालन में समाजसेवी संस्थां ओर सामाजिक कार्यकर्ताओं की भी मदद ली जाएगी।

जिले में ऑक्सीजन आपूर्ति हेतु निरंतर प्रयासरत हैं-कलेक्टर

माही की गूंज, झाबुआ। चलित वाहन व्यवस्था के बाद सहज एवं सुलभ ऑक्सिजन आपूर्ति हेतु कलेक्टर सौमेश मिश्र द्वारा झाबुआ के लिए एक और साधन उपलब्ध कराया गया है। जिला चिकित्सालय में केवल 120 जंबो एवं 170 छोटे सिलिंडर उपलब्ध थे किन्तु खपत के अनुपात मे यह संख्या कम होने के कारण सर्कुलेशन में कठिनाई हो रही थी । बाज़ार में भी उपलब्धता नही थी परंतु कलेक्टर के विशेष प्रयास से न केवल जिले के विभिन्न स्थानों से जनसहयोग आदि के माध्यम से 180 जंबो सिलिंडर जुटाए गए बल्कि सीधे निर्माता से संपर्क स्थापित कर 100 छोटे सिलिंडर का निर्माण करा के क्रय भी किया गया। वर्तमान में जिला चिकित्सालय में 300 जंबो एवं 270 छोटे सिलिंडर उपलब्ध होकर आपूर्ति हेतु निरन्तर सिरक्यूलेट हो रहे हैं।

कोरोना कहर के बीच भी नही थम रहा चोरी का सिलसिला, पुलिस झूठी वाह-वाही लूटने में व्यस्त

पंद्रह दिनों में 4 दुपहियां वाहन हो चुके हैं चोरी, मामले तक दर्ज नही कर रही पुलिस

माही की गूंज, रायपुरिया।

इन दिनों नगर में पुलिस कोरोना के नाम पर चप्पे-चप्पे पर तैनात देखी जा रही है और लगातार कोरोना कर्फ्यू का उलंघन करने वालो पर कार्रवाई कर रही है तो दूसरी और गरीबो को अनाज आदि बांटकर वाह-वाही लूटने में लगी है। वहीं दूसरी और वाहन चोर गिरोह लगातार पुलिस को चुनोती देते हुए एक के बाद एक वाहन चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं।

मिली जानकारी अनुसार एक पुलिस जवान तक का वाहन चोरी हो चुका है। सबसे पहले 24 अप्रेल को हरिराम पिता जवाहरलाल पाटीदार निवासी रायपुरिया थाने के पास खेल मैदान के सामने मेन रोड पर गाड़ी नंबर एमपी 45 एमडी 2818 चोरी हुई, उसी दिन एक पुलिस जवान की गाड़ी भी चोर उठा ले गए। उक्त चोरी की रिपोर्ट थाना प्रभारी ने लेने से मना कर कर दिया था। अभी चोरी का मामला तक दर्ज नही हुआ था कि, 1 मई को भरतलाल पिता भागीरथ पाटीदार थाना परिसर के पीछे से गाड़ी नंबर इएमपी 45 एमक्यू 3967 चोरी हो गई। जिसकी रिपार्ट भी थाना प्रभारी ने लेने से मना कर दिया, थाना प्रभारी से रिपोर्ट नहीं लेने का कारण पूछा तो बोला कि, यह मेरी जिम्मेदारी नहीं है। जिसके बाद भागीरथ पाटीदार ने 181 पर थाना प्रभारी के नाम की एफआईआर दर्ज नहीं करने की शिकायत की जिसका शिकायत क्रमांक 14024162 दिया गया।

चोरी के तीन मामले होन के बाद भी चोरी की घटना नही रुकी और धर्मराज पिता शंभूलाल पाटीदार रायपुरिया मेन रोड हनुमान मंदिर के पीछे से वाहन क्रमांक एमपी 45 एमक्यू 6998 चोरी हो गया। इनका आवेदन तो लिया पर इनको आवेदन की रिसीव भी नहीं दी गई।

जिले में 4 जगह शुरू होगा 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगो का टिकाकरण

माही की गूंज, मंदसौर।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. केएल राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि, कोविड-19 टिकाकरण के अंतर्गत 18 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों का टीकाकरण कार्यक्रम 12 एवं 13 को मल्हारगढ एवं सुवासरा में टीकाकरण किया जाएगा। 15 एवं 17 मई को गरोठ एवं शामगढ में टीकाकरण किया जाएगा। टीकाकरण समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा।

18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगो के टीकाकरण में भानपुरा का कहीं जिक्र नहीं है। हमेशा शासन की योजनाओं में सौतेले की तरह व्यवहार होने सा प्रतीत होता है। स्वास्थ्य व्यस्था तो ठीक जिले के कई पंचायतों में कोविड आइसोलेशन वार्ड बने है। मगर भानपुरा नगर की जनता सिर्फमांग ही करती रह गई। मगर कोविड मरीज के लिए कोई व्यवस्था भानपुरा में नही है।

प्रशासन ने जिले के क्वारंटाइन सेंटर का किया निरीक्षण

5 से अधिक पॉजिटिव आने पर गांव को किया जाएगा सील

माही की गूंज, रतलाम।

जावरा, ढोढर, रियावन फंटे सहित पिपलोदा और सैलाना में क्वारंटाइन सेंटर का कलेक्टर व एसपी द्वारा निरीक्षण किया गया। वही अब ग्रामों में तेजी से फैल रहे कोरोना को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने अब गांवों में पूरी ताकत झोंकना शुरू कर दी है। मंगलवार दोपहर नवागत कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम व पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी ने दल बल के साथ जिले में जाकर संपूर्ण स्थिति का जायजा लिया व आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अधिकारी द्वारा पूरे नगर का भ्रमण करते हुए रतलाम बायपास स्थित माधव क्वारंटाइन केंद्र भी पहुंचे। यह केंद्र प्रशासन व सेवा भारती के संयुक्त तत्वाधान में चल रहा है। इस समय इस केंद्र पर लगभग 60 संक्रमण वाले मरीज उपचारत है। यहां मेडिकल व्यवस्था शासन की ओर से तथा खान-पान व अन्य व्यवस्थाएं सेवा भारती के सौजन्य से चल रही है।

कर्फ्यू का सख्ती से हो पालन

भ्रमण में जावरा एसडीएम राहुल धोटे और सैलाना एसडीएम कामनी ठाकुर ने मीडिया से चर्चा में बताया कि, कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने कोरोना कर्फ्यू का क्षेत्र के हर स्थान पर सख्ती से पालन करने के दिशा निर्देश दिए हैं। उन्होंने ये निर्देश भी दिए हैं कि, यदि किसी ग्राम में 5 या 5 से अधिक कोरोना संक्रमित मरीज पाए जाए तो उस पूरे गांव को सील कर दिया जाए।

सैलाना एसडीएम ने बताया कि, क्वारंटाइन केंद्र का निरीक्षण करने के पश्चात कलेक्टर ने संतोष व्यक्त किया और व्यवस्थाएं ओर सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रशासनीक व्यवस्था नहीं, ग्रामीण क्षेत्र में अपने बलबूते कर रहे पेयजल की व्यवस्था- विधायक पटेल

10 दिनों में ग्राम पंचायतों में प्रशासन ने व्यवस्था नहीं सुधारी तो जनता के साथ करेंगे आंदोलन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

वर्तमान में कोरोना महामारी के कारण विधानसभा क्षेत्र की ग्रामीण जनता अपने गांव और फलियों में निवासरत होकर वैश्विक महामारी से जूझ रही है और शासन-प्रशासन के दिशा निर्देशों का पालन कर आवश्यक सहयोग दे रही है। लेकिन गांवों और फलियों में व्यवस्था के नाम पर कुछ भी नहीं है और लोग अपने बलबूते ही पेयजल संकट से निपटने की जद्दोजहद में जुटे हुए है। कई गांवों में 1 से 2 किमी दूर से पानी लाने के लिए लोग मजबूर हो रहे है लेकिन जिला प्रशासन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कोई व्यवस्था नहीं कर रहा है। जबकि इस संबंध में जिला प्रशासन और पीएचई विभाग को भी अवगत करवाकर व्यवस्था करने की मांग की थी। यहां तक की विधानसभा में इस संबंध में सवाल उठाया था, लेकिन सभी जिम्मेदार उदासीन और लापरवाह बने रहे जिसके कारण भीषण गर्मी के दौर में आज लोगों को जलसंकट का सामना करना पड रहा है, उक्त बात विधायक मुकेश पटेल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कही।

कई गांवों और फलियों में जलसंकट व्याप्त

विधायक पटेल ने बताया कि, विधानसभा के कई गांवों और फलियों के लोग जलसंकट के संबंध में मुझे सूचना दे रहे है, जिसमें ग्राम अंधारकांच के राजेंद्र, बेसवानी के शंकर, कोसारिया के सुरतान, मोरियावाडा के कारसिंह, केल्दी की माल के लकेश निंगवाल, छकना की माल के राहुल भयडिया, बडदली के सुनिल भयडिया आदि ने सूचना दी, की इन गांवों सहित आस-पास के कई गांवों और फलियों में लोगों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड रहा है। छकतला क्षेत्र के डेटकुंडा, पानमहुडी, कंथारी, पिपलीयावाट सहित अन्य गांवों में भी ऐसी ही स्थिति बनी हुई है। कई गांवों के हैंडपंपों में पानी का स्तर काफी नीचे चला गया है तो कई गांवों व फलियों में हैंडपंप खराब हो चुके है। लेकिन पीएचई विभाग द्वारा व्यवस्था को सुधारने के लिए कोई सार्थक प्रयास नहीं किए जा रहे है। कई नलकूपों में सिंगल फेज मोटर लगाने की आवश्यकता है परंतु वो भी नहीं लगाई जा रही है। इस संबंध में विधायक पटेल ने बताया कि, मैने क्षेत्र की जलसंकट की समस्या को जिला प्रशासन सहित मुख्यमंत्री को पत्र लिखे और गत वर्ष भी पत्र लिखकर व्यवस्था सुधारने के लिए नवीन नलकूप खनन और सिंगल फेज मोटर लगाने की मांग की थी। परंतु प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई और न ही समस्या के निराकरण के लिए कोई ठोस कदम उठाए गए। इस मामले से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को भी अवगत करवाया गया जिस पर उन्होने मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान और कलेक्टर को पत्र लिखकर समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही।

विधायक पटेल ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि, विधानसभा क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों में 10 दिनों में सुचारू रूप से पेयजल व्यवस्था के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो कांग्रेस पार्टी द्वारा ग्रामीण जनता के साथ आंदोलन कर कलेक्टोरेट और पीएचई कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

कोरोना से बचाव के उपाय बताकर ग्रामीणों को किया जागरूक

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कोरोना संक्रमण की चेन को तोडने के तहत जिलेभर में जागरूकता एवं कोरोना संभावित लक्षण वाले व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए सैम्पल लिए जा रहे है। ग्रामीणों के बीच कोरोना को लेकर व्याप्त भय अथवा डर को दूर करते हुए अधिकारी-कर्मचारीगण उन्हें जागरूक करने के विषेष प्रयास कर रहे है, जिसके परिणाम सकारात्मक भी मिल रहे है। तहसीलदार कट्ठीवाडा सुश्री संतुष्टि पाल के नेतृत्व में बीएमओ डॉ. पवन देवडा सहित अन्य स्वास्थ्य विभाग स्टॉफ एवं मैदानी अमला और कोरोना वालेन्टीयर्स ने कट्ठीवाडा के गणपत फलिया में घर-घर जाकर समझाइ दी, जो व्यक्ति कोरोना को लेकर भयभीत थे उन्हें हौसला दिलाया तथा बगैर किसी डर अथवा भय के कोरेना जांच हेतु प्रोत्साहित किया। जिसका परिणाम यह निकला की उक्त फलिया के 50 से अधिक व्यक्तियों ने कोरोना सैम्पल दिए। वहीं हवेलीखेडा फलिया में 35 से अधिक व्यक्तियों ने अपने सेम्पल दिए। इस दौरान तहसीदार सुश्री पाल सहित अन्य अधिकारीगण-मैदानी अमले ने सभी ग्रामीणजन को प्रोत्साहित करते हुए कोरोना से डरने के बजाए सावधान रहने का आह्वान किया। उन्होंने सभी को बताया कि, कोरोना से डरने के बजाए सुरक्षा संबंधित उपाय अपनाकर हम कोरेना से बच सकते है।

आमजन का भगवान आखिर कौन?

800 करोड़ की माही पेयजल योजना का लाभ दो साल में मिलने का झुनझुना अब भी पकडा रहे है

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)। नितिन झोरोद

घाटा क्षेत्र में सूखी नदी के हलक से प्यास बुझाने की कोशिश करते ग्रामीण।

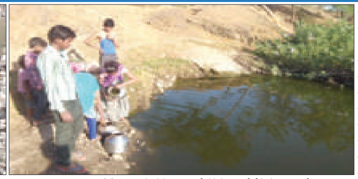

सज्जनगढ़ पंचायत समिति के डूंगरा क्षेत्र में टैंकर शुरू नहीं होने से गंदा पानी पीने को मजबूर ग्रामीण।

नान कमांड क्षेत्र में दानपुर, छोटी सरवन और म.प्र., गुजरात सीमावर्ती कुशलगढ़ विधानसभा क्षेत्र आता है, जहां अमूमन हर वर्ष फरवरी माह में ही पेयजल स्त्रोत जवाब दे जाते हैं और विगत अधिकांश वर्षों से 1 अप्रैल से पीएचडी विभाग द्वारा जिला प्रशासन को टैंकर चालू कराने के आदेश के बाद पीने के पानी के टैंकर चालू हो जाते हैं। हैरत की बात यह है कि, इस बार कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर मुंह बांधे खड़ी हो गई है, वहीं सरकार ने दस दिन के सख्त कोरोना कर्फ्यू और एडवायजरी का फरमान जारी कर दिया है। जबकि महामारी और आपदा में तत्काल एक्शन होकर नान कमांड गांवों की जनता को अपने-अपने गांव और फलियों मे पानी की सुविधा मुहैया कराना चाहिए, ताकि संक्रमण की चैन तोड़ी जा सके। लेकिन कुशलगढ़ विधानसभा (166) की पंचायत समिति कुशलगढ़ और सज्जनगढ़ में कुल 92 के करीब ग्राम पंचायते होकर पांच दर्जन से अधिक ग्राम पंचायतों के विभिन्न सैंकड़ों गांवों में इंसानों और मूकबधिर माल-मवेशियों के हलक तर करने का कोई संसाधन नहीं है। ऐसे में आदेश होने के बावजूद अब तक कोरोना महामारी और जब गांवों में संक्रमण फैल चुका है पानी के टैंकर अब तक जीपीएस सिस्टम लगाने के चक्कर में शूरू नहीं हुए हैं। जबकि विधानसभा इलाके में डेढ़ माह से जनता पीने के पानी का बंदोबस्त कहीं सूखे नदी, नालों के पेटे में विला खोदकर तो कहीं तीन से चार किमी एक गांव से दूसरे गांव जाकर करने को मजबूर हैं। शासन-प्रशासन से लेकर जिम्मेदार जलप्रदाय विभाग कागजी घोड़े दौड़ाकर पानी के टैंकर शुरू करने के आदेश तक ही सिमित है। विधानसभा क्षेत्र की एक भी पंचायत या एक भी गांव में आज दिन तक एक भी टैंकर शुरू नहीं हुआ है, जो बेहद गंभीर विषय होकर कोरोना संक्रमण में आम जनता की जान जोखिम में डालने जैसा विषय है, लेकिन यहां क्षेत्रिय सरकार से जूडे नुमाइंदों, जनप्रतिनिधियों और शासन-प्रशासन को जनता की पड़ी ही नहीं है।

बता दे कि, पूर्व भाजपा सरकार में वसुंधरा राजे ने कुशलगढ़ विधानसभा के 499 राजस्व गांवों और 502 के करीब ढाणी मजरों में माही बांध में लघु पेयजल योजना के लिए आजादी के बाद पहली बार 800 करोड़ के करीब बजट जारी किया था। धरातल पर कोरोना वायरस संक्रमण अनैतिक और लगातार दो साल से लॉकडाउन और सख्ती होने से काम पूरा नहीं होकर दो साल और लगेंगे। लैकिन जनजाति बाहुल्य क्षेत्र की जनता को आखिर पानी कौन पीलाएगा? इस पर भी अभी तक सवालिया निशान लगे हैं।

ऐसे में पूरे मामले में कुशलगढ़ पीएचडी विभाग के सहायक अभियंता निखिल त्रिवेदी से जानकारी लेने पर बताया कि, विभाग ने कलेक्टर कार्यालय की अनुशंसा पर कुशलगढ़ की विभिन्न पंचायतों के 121 गांवों में प्रतिदिन 125 पानी के टैंकर शूरू करने के निर्णय का बैठक में आदेश कर दिया हैं। इस बार हर टैंकर में जीपीएस सिस्टम की अनिवार्यता के चलते अब तक कोई रजिस्ट्रर्ड सप्लायर्स, ठेकेदार या ग्राम पंचायतों से कोई रूचि नहीं दिखा रहा है। इसको लेकर भी उपखंड अधिकारी से लेकर जिला कलेक्टर को अवगत कराया जा चूका है। जैसे ही अगला आदेश होता है तो पीएचडी विभाग को पानी के टैंकर शुरू करने में किसी प्रकार की तकलीफनहीं होगी।

उक्त मामला सामने आने के बाद क्षेत्रिय विधायक ने भी नान कमांड विधानसभा कुशलगढ़ में पानी के टैंकर शुरू करने के लिए निर्देशित किया, लेकिन धरातल पर विधानसभा के किसी भी गांव या पंचायत में आज दिन तक एक भी टैंकर की आपूर्ति नहीं हुई है।

गूंज टीम के पत्रकार गौरव भंडारी को मातृत्व शोक

पत्रकार संघ की और से विनम्र श्रद्धाजंलि अर्पित की गई

माही की गूंज, पेटलावद।

बुधवार को भंडारी परिवार के साथ गूंज परिवार के लिए दुःखद समाचार सामने आया। बामनिया से माही की गूंज प्रतिनिधि पत्रकार गौरव भंडारी की माताश्री और सुभाषचंद्र भंडारी की पत्नी श्रीमति मधुबाला भंडारी का दुःखद निधन हो गया। श्रीमति मधुबाला भंडारी विगत 15 दिनों से अस्वस्थ थी और मेडिकल कॉलेज रतलाम में उपचारत थे, जहाँ अचानक उनकी तबियत बिगड़ने के बाद बुधवार को निधन की सूचना आई। बुधवार को इनका अंतिम संस्कार कोविड नियमो के अनुसार रतलाम में ही किया गया। जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष संजय भटेवरा, जिला महासचिव राजेश सोनी, अक्षय भट्ट, वरिष्ठ पत्रकार हरीशंकर पंवार, निर्भयसिंह ठाकुर, मनोज चर्तुवेदी, मोहन संघवी, हेमन्त शर्मा, कान्तीलाल परमार, नरेश पंचाल, उमेश चौहान, बंशीलाल शर्मा, मनोज जानी, गोपाल राठोर, लोकु परिहार, लवेश स्वर्णकार, जितेन्द्र राठोर, सुरेश परिहार, मुकेश चौहान, जितेन्द्र वागरेचा, सुनिल सोंलकी आदि जिले के पत्रकारों के साथ माही की गूंज परिवार एवं तहसील पत्रकार संघ अध्यक्ष मोहन पडियार सहित तहसील पत्रकार संघ पेटलावद, पत्रकार संध बामनिया सहित नगर की सामज़ सेवी संस्था और वरिष्ठजनों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धाजंलि अर्पित कर पत्रकार गौरव भंडारी एवं उनके परिवार को दुख की इस घड़ी में ढ़ाढ़स बंधाया।

घर मे लगी आग से घर सहित सारा सामान जल कर हुआ खाख, ग्याहर मवेशियों की भी मौत

माही की गूंज, रायपुरिया।

मंगलवार रात रायपुरिया थाना क्षेत्र के गांव पनास में तड़वी फलिए में रहने वाले मांगू पिता हिमा जाती मेडा के मकान में अज्ञात कारणों से आग लग गई। घर में लगी आग के बारे में परिजनों को मालूम ही नही पड़ा, आस-पास रहने वाले ग्रामीणों ने घर सोए हुए लोगो को उठाया, तब घर मालिक को पता चला कि, मेरे घर में आग लग गई है। आस-पास के लोगों ने आग पर काबू करने की कोशिश की लेकिन आग ने इतना विकराल रूप ले लिया था कि, घर के अंदर बंधे हुए मवेशी को भी नहीं निकाल सके। गांव के सरपंच हुमा ने पुलिस थाने में सूचना दी उसके बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सब कुछ जलकर राख हो गया था। आग की चपेट में करीब 11 मवेशी ने जलकर दम तोड़ दिया, साथ ही घर का खाने-पीने का अनाज करीबन तीस क्विंटल गेहूं, मक्का जलकर राख हो गया, साथ में कपड़े, बर्तन, चांदी की रकम भी स्वाहा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही हल्का पटवारी कमलेश चौहान ने मौके पर आगजनी के नुकसानी का पंचनामा बनाया, जिसमें अनुमानित पाच से सात लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया।

बिना शहनाई की गूंज की अक्षय तृतीया

माही की गूंज, झाबुआ।

हिंदू शास्त्रों में अक्षय तृतीया (आखातीज) विवाह का अबुझ मुहूर्त रहता है, यानी इस दिन होने वाले विवाह समारोह में मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं रहती है। अगर किसी की शादी का साल भर मुहूर्त नहीं आ रहा हो तो बिना देखे आखातीज की शादी तय कर दी जाती है, इस दिन का खेती-बाड़ी में भी विशेष महत्व रहता है, इसी दिन से खेती का वर्ष बदलता है और नई सीजन की शुरुआत इस दिन खेत में हल चलाकर प्राचीन काल से की जाती रही है। गत वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी वैश्विक महामारी कोरोना के चलते लॉकडाउन की स्थिति है जिससे कुंवारे लोगों को इस बार मायूसी हाथ लगी है। अभी तक यह इतिहास में शायद यह ऐसा पहला मौका होगा कि, आखा तीज पर एक भी शादी नहीं होगी, हालांकि लॉकडाउन तो पिछले वर्ष भी था लेकिन फिर भी सीमित संख्या और सीमित मेहमानों की मौजूदगी में कुछ विवाह तो हुए ही थे लेकिन इस बार तो कोई परमिशन ही नहीं है।

कोरोना की दूसरी लहर झाबुआ जिले में इतनी घातक नहीं रहती, अगर समय रहते कोरोना कर्फ्यू लगा दिया जाता। लेकिन सांसद महोदय की हठधर्मिता के चलते कोरोना कर्फ्यू लगाने में देरी की गई व शादियों को करने दिया जाए कोरोना के नाम पर किसी को भी शादी करने पर परेशान नही किया जाए के आदेश जिला प्रशासन को लताड लगाते हुए दिए थे, जिससे भी जिले में संक्रमितो की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई। उस वक्त सांसद महोदय ने जिला आपदा प्रबंधन समिति की बैठक में कहा था कि, कोरोना के नाम पर आदिवासी समाज में हो रही शादियों में खलल न डाला जाए, शादी जीवन में एक बार होती है। खैर देर आए दुरुस्त आए की तर्ज पर कोरोना कर्फ्यू का निर्णय लिया गया, जिससे कोरोना संक्रमण में कमी आना प्रारंभ हो गई है और एक वर्ष भले ही विवाह न हो लेकिन कम से कम इस महामारी से तो आम जनता को मुक्ति मिले, ये ही ईश्वर से प्रार्थना है।

छोटे भाई ने बाइक देने से किया इंकार तो बड़े भाई ने कर दी पीट-पीटकर हत्या

माही की गूंज, रतलाम।

सुमित कटारा

जिले के रावटी थाना क्षेत्र के ग्राम खेरियारुंडी में बड़े भाई को बाइक नहीं देने पर नाराज हो गया और उसने छोटे भाई को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। पहले उसने छोटे भाई को पत्थर मारे और फिर गला दबा दिया।

पुलिस डायरी अनुसार शनिवार रात सूचना मिली थी कि, खेरियारुंडी गांव में दो भाई के बिच झगड़ा हुआ हैं। पुलिस दल वहां पहुंचा तो मौके पर सुमित पिता मावजी कटारा (25) निवासी ग्राम खेरियारुंडी मृत मिला। मृतक के परिजन ने बताया कि, सुमित के बड़े भाई आरोपित सतवंत कटारा ने सुमित से उसकी बाइक बाजार या अस्पताल जाने के लिए मांगी थी, सुमित ने उसे अपनी बाइक नहीं दी। जिससे नाराज होकर उसने सुमित की पीट-पीटकर हत्या कर दी और भाग गया। घटना स्थल की जांच के बाद शनिवार सुबह मृतक का शव जिला अस्पताल ले जाया गया। पीएम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया।

थाना प्रभारी लोकेंद्र ठाकुर ने बताया कि, सुमित के शरीर पर ऊपरी चोट नहीं पाई गई है। मर्ग कायम कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422